Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 267
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

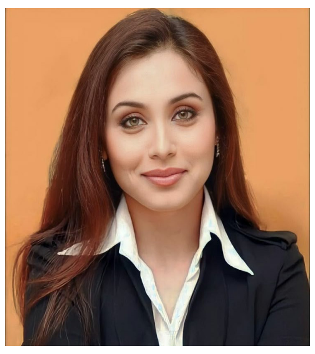

3 नागपुर में विजयादशमी पर संघ प्रमुख का ... | 4 गांधी और गांधी विचार को कुचलने की... | 7 दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली विश्व कप ...

पूरे देश में बिहार मॉडल अपनाएगा चुनाव आयोग, सभी राज्यों में सूची से हटेंगे मृत मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली। देश में जल्द ही सभी राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण का अभ्यास शुरू होगा, जिसमें बिहार जैसी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। बिहार में इस अभ्यास के दौरान लाखों मृतक और अवैध नाम मतदाता सूची से हटाए गए थे। चुनाव आयोग का मानना है कि जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार के डाटा को मतदान प्रणाली से जोड़ने से यह समस्या स्थायी रूप से हल हो जाएगी।

बिहार में एसआईआर शुरू होने से पहले राज्य में 7.89 करोड़ मतदाता थे। इस अभ्यास के दौरान एक अगस्त को प्रकाशित प्रारूपित मतदाता सूची में 7.24 करोड़ मतदाता रहे। लगभग 65 लाख नाम हटाए गए, जिनमें 22 लाख मृतक व्यक्ति शामिल थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि मृतकों में से अधिकांश हाल ही में नहीं मरे थे, बल्कि पहले रिकॉर्ड नहीं किए गए थे।

मतदाता सूची के सुधार में सख्ती

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पहले सामान्य पुनरीक्षण में सभी घरों तक गणना फॉर्म नहीं पहुंचे थे। लोगों द्वारा परिवार में हुई मौत की सूचना न देने पर बूथ लेवल अधिकारी को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती थी। एसआईआर के दौरान प्रक्रिया सख्त होने से मतदान प्रणाली मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं को हटाने में अधिक सतर्क रहेगी।

डाटा लिंकिंग से होगी तेजी

मतदाता सूची को त्रुटि मुक्त और तेज अपडेट करने के लिए अब चुनाव आयोग मृत्यु पंजीकरण डाटा को इलेक्ट्रॉनिक रूप में रजिस्टार जनरल ऑफ इंडिया से प्राप्त करेगा। इससे मतदान पंजीकरण अधिकारी को समय पर सूचना मिलेगी और बीएलओ वास्तविक जांच [illegible] जानकारी की पुष्टि कर सकेंगे।

भविष्य में त्रुटि रहित सूची

अधिकारी ने बताया कि लोगों को अपने परिवार में हुई मौत की जानकारी देने का कोई प्रोत्साहन नहीं होता। लेकिन डाटा लिंकिंग मजबूत होने के बाद मृतक मतदाताओं की उपस्थिति सूची से समाप्त हो जाएगी। आरजीआई और नगरपालिका तथा ग्रामीण निकायों से डाटा लिंकिंग स्थापित होने के बाद मतदाता सूची अधिक त्रुटि-मुक्त बनेगी।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने की नई नियुक्तियां

पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए चुनाव आयोग ने नई नियुक्तियां की हैं। आयोग ने अरुण प्रसाद को राज्य का नया अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी और हरीशंकर पाणिकर को संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया है। ये निर्णय गुरुवार को आधिकारिक तौर पर लिया गया। ये नियुक्तियां उस समय की गई हैं जब आयोग अक्तूबर में पश्चिम बंगाल में अपने विशेष सघन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लागू करने की तैयारी कर रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से इन दोनों पदों के लिए नामों की सूची मांगी थी। अरुण प्रसाद और हरीशंकर पाणिकर को राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत सूची में से चयनित किया गया।

संक्षिप्त न्यूज

डीके शिवकुमार ने नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा पर जताई आपत्ति, पार्टी सदस्यों को नोटिस जारी करने को कहा

बंगलूरू। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को राज्य में नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा करने वाले पार्टी सदस्यों पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि ऐसी बातें पार्टी को नुकसान पहुंचा रही हैं। कांग्रेस विधायक व शिवकुमार के रिश्तेदार एच डी रंजनाथ और मांड्या के पूर्व सांसद एलआर शिवारामे गौड़ा ने बुधवार को यह बहस फिर से छेड़ दी कि शिवकुमार अगला मुख्यमंत्री बनेंगे। गौड़ा ने कहा कि यह नवंबर में होगा। शिवकुमार ने कहा, कुनिगल विधायक एचडी रंजनाथ समेत किसी को भी सत्ता साझेदारी पर बोलने की अनुमति नहीं है। मैंने कांग्रेस के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर से उन्हें नोटिस जारी करने को कहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह मामला अब बंद हो गया है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया है कि वह पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और दोनों नेता शीर्ष नेतृत्व के फैसले का पालन करेंगे।

सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा था कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे और पार्टी के निर्देश का पालन करेंगे। शिवकुमार ने पूछा, सत्ता साझेदारी की चर्चा कहां हो रही है? यह मैं ही हूं जो यह बात कह रहा हूं। इस तरह की कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, इस पर कोई सवाल नहीं होना चाहिए। जो कुछ सिद्धारमैया ने कहा वह अंतिम है। उनके बयान के बाद कोई इसे चर्चा में न लाए। जो लोग इसके बारे में बोल रहे हैं, वे पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जो मेरी या उनकी तरफ से बोल रहे हैं, वे पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं और पार्टी विरोधी गतिविधि में लिप्त हैं। यही मैं कहना चाहता हूं।

पार्टी अनुशासन के रुख को दोहराते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने कहा है कि वे शीर्ष नेतृत्व की सुनेंगे। हम शीर्ष नेतृत्व का आदेश मानेंगे। हम अपनी पार्टी के अनुशासित सैनिक हैं।

शाह की लोगों से अपील

'हर साल खरीदें 5000 के खादी उत्पाद, स्वदेशी को सफल बनाने की जिम्मेदारी सबकी'

नई दिल्ली। गृह मंत्री शाह ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया में 'खादी महोत्सव 2025' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन भुगतान कर खादी के उत्पाद भी खरीदे। उन्होंने कहा कि देश आज महात्मा गांधी की 156वीं जयंती और दशहरा मना रहा है। उन्होंने बापू के खादी और स्वदेशी के विचारों को नमन करते हुए लोगों से अपने बॉर्ड रोब में खादी उत्पादों को अधिक से अधिक शामिल करने का आग्रह किया। ताकि, खादी उद्योग से जुड़े गरीब लोगों के जीवन में रोशनी भर सकें। शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम से प्रेरित होकर देश के लाखों परिवारों ने विदेशी सामान का उपयोग न करने का संकल्प लिया है। इसी तरह लाखों दुकानदारों ने भी विदेशी वस्तुएं न बेचने का फैसला किया है। खादी और स्वदेशी को सफल बनाने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है।

मोदी ने खादी को पुनर्जीवित किया

शाह ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश की आजादी की लड़ाई में खादी और स्वदेशी को जोड़ा था और इन्हीं विचारों ने गरीबों के जीवन में नया प्रकाश लाया। लंबे समय तक इन विचारों को भुला दिया गया था, लेकिन 2003 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने खादी को दोबारा जीवित करने का काम किया। उनके पुनर्जीवन अभियान से फिर खादी की लोकप्रियता बढ़ी।

1.70 लाख करोड़ पहुंचा खादी का टर्नओवर

शाह ने बताया कि 2014 के बाद से खादी उत्पादों की खपत कई गुना बढ़ी है और आज खादी ग्रामोद्योग का टर्नओवर 1.70 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

पुलिस काफिले पर भीड़ ने किया हमला; अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत कई वाहनों में तोड़फोड़

इंफाल। मणिपुर में अब पुलिस के काफिले पर हमले का मामला सामने आया है। बुधवार देर रात चंदेल जिले में भीड़ ने पुलिस पर हमला किया और उनके कई वाहनों में तोड़फोड़ की। पिछले महीने उग्रवादियों ने असम राइफल्स के काफिले पर हमला किया था, जिसमें दो जवान बलिदान हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि कुकी समुदाय की महिलाएं पुलिस काफिले के सामने खड़ी हो गईं और वाहनों को आगे जाने से रोक दिया। इसके बाद भीड़ ने पुलिस वाहनों पर हमला किया और उसमें तोड़फोड़ की। जिन वाहनों में तोड़फोड़ की गई उनमें चंदेल जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का वाहन भी शामिल है। कुकी संगठनों का आरोप है कि पुलिस मैतेई समुदाय के प्रति पक्षपातपूर्ण है।

हथियार और विस्फोटक बरामद

इस बीच, सुरक्षाबलों ने चुराचांदपुर और इंफाल पश्चिम में तलाशी अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया है। इसमें एक एम-16 स्वचालित राइफल, मैगजीन के साथ दो सिंगल बैरल राइफल, दो 9 एमएम पिस्तौल, एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, दो हथगोले, तीन 12 बोर के खाली राउंड और दो वायरलेस सेट बरामद किए गए। इसके अलावा स्नाइपर राइफल, एक 9 एमएम पिस्तौल, दो सिंगल बैरल बंदूकें जब्त की गईं।

पीएम मोदी ने दी बापू-शास्त्री को श्रद्धांजलि

बोले- उनके मूल्यों से ही मजबूत और विकसित बनेगा भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। गांधी जयंती के अवसर पर, प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपिता के आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधीजी ने दिखाया कि कैसे साहस और सादगी महान परिवर्तन के साधन बन सकते हैं। वे सेवा और करुणा की शक्ति को लोगों को सशक्त बनाने के अनिवार्य साधन मानते थे। उन्होंने आगे कहा, 'हम एक विकसित भारत के निर्माण के अपने प्रयास में उनके बताए मार्ग पर चलते रहेंगे।'

2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में जन्मे मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, अहिंसक प्रतिरोध के अग्रदूत थे। अहिंसा और सत्याग्रह के अपने दर्शन के माध्यम से, उन्होंने लाखों भारतीयों को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के कुछ ही महीनों बाद, 30 जनवरी, 1948 को, नई दिल्ली स्थित गांधी स्मृति में नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी थी। उनके जीवन और बलिदान को दुनिया भर में शांति और मानवीय गरिमा के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर विजय घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उन्हें एक असाधारण राजनेता बताया जिनकी ईमानदारी, विनम्रता और दृढ़ संकल्प ने भारत को मजबूत बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा, 'उन्होंने अनुकरणीय नेतृत्व, शक्ति और निर्णायक कार्रवाई को मूर्त रूप दिया। 'जय जवान जय किसान' के उनके आह्वान ने हमारे लोगों में देशभक्ति की भावना जगाई। वे हमें एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रयास में निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।'

शास्त्री जी का जन्म 1904 में उत्तर प्रदेश में हुआ था और जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद वे देश के प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री के रूप में अपने छोटे से कार्यकाल में, जब भारत पाकिस्तान के साथ युद्ध लड़ रहा था, उनकी ईमानदारी और देश के नेतृत्व ने उन्हें सर्वत्र प्रशंसा दिलाई। गांधी जी की शिक्षाओं से अत्यंत प्रभावित शास्त्री जी एक साधारण परिवार से निकलकर प्रधानमंत्री बने और अपनी सादगी, ईमानदारी और आम जनता से जुड़ने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से प्रशंसित थे। उनकी विरासत भारत को आत्मनिर्भरता और प्रगति की दिशा में प्रेरित करती रहती है।

कर्नाटक में सियासी संग्रामः

सीएम पद के विवाद पर कांग्रेस की कार्रवाई, बयानबाजी पर अपने ही नेताओं को भेजा नोटिस

बंगलूरू। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के अंदर मुख्यमंत्री पद के संभावित बदलाव को लेकर उठे विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। पार्टी ने पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता एल. आर. शिवरामे गौड़ा को नोटिस जारी किया है। उन्हें अपने बयान के बारे में एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। यह नोटिस इसी कारण जारी किया गया कि गौड़ा ने पार्टी की अनुमति के बिना मीडिया में बयान दिया, जिससे पार्टी की छवि प्रभावित हुई।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डॉ. डी. के. शिवकुमार ने पार्टी के सदस्यों को चेतावनी दी कि मुख्यमंत्री पद को लेकर सार्वजनिक बयान देना पार्टी के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने कहा कि किसी भी सदस्य को शक्ति साझाकरण पर चर्चा करने की अनुमति नहीं है। यह मामला मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पूर्ण कार्यकाल पूरा करने और उच्च कमान के निर्णय के पालन के बाद बंद माना गया है।

इन दो नेताओं के कराण बताओ नोटिस जारी

शिवारमे गौड़ा और एचडी रंगनाथ को कांग्रेस के अनुशासन समिति ने नोटिस जारी किया। नोटिस में कहा गया है कि उनकी मीडिया में दी गई टिप्पणियों ने पार्टी को शर्मिंदगी पहुंचाई और अनुशासन का उल्लंघन किया। दोनों नेताओं को एक सप्ताह में स्पष्टीकरण देना होगा। कांग्रेस सांसद जी. सी. चंद्रशेखर ने कहा कि गौड़ा और रंगनाथ पार्टी की अनुमति के बिना कोई निर्णय नहीं ले सकते।

शिवकुमार का संदेश

शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री पद को लेकर अब कोई चर्चा नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग उनके या सिद्धारमैया के नाम पर बोल रहे हैं, वे पार्टी के लिए हानिकारक हैं और यह कार्य पार्टी विरोधी गतिविधि के रूप में देखा जाएगा। शिवकुमार ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और उच्च कमान के निर्णय का पालन करना अनिवार्य है।शिवकुमार ने भाजपा पर तंज भी कसा और कहा कि विपक्ष अपनी आंतरिक कलह को सुलझाए।

दशहरे पर स्मृति ईरानी ने दुर्गा पंडाल में किया धुनुची नाच

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने दशहरे के पावन अवसर पर दिल्ली के पंडारा रोड स्थित एक दुर्गा पूजा पंडाल में हिस्सा लिया। इस दौरान, स्मृति ईरानी ने अन्य श्रद्धालुओं के साथ मिलकर पारंपरिक 'धुनुची नाच' किया। इस अवसर पर, भाजपा नेता ने देश के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'आज दशहरे के पावन अवसर पर, मैं देश के सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। सभी का परिवार समृद्ध हो, सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहे और सभी का भविष्य सुरक्षित रहे, इस विशेष दिन पर ईश्वर से यही प्रार्थना है।' यह दुर्गा पूजा के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक और भक्तिपूर्ण बंगाली नृत्य है, जो विशेष रूप से संध्या आरती के समय किया जाता है। इसमें नर्तक धुनुची नामक मिट्टी के एक विशेष धूपदान को अपने हाथों या कभी-कभी सिर पर संतुलित करते हुए 'ढाक' की ताल पर थिरकते हैं।

राहुल गांधी का आरएसएस-भाजपा पर वार

कहा- कमजोरों को दबाना, ताकतवर से डरना ही उनकी विचारधारा

कोलंबिया। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कोलंबिया के ईआईए यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान आरएसएस और भाजपा की विचारधारा को 'कायरता' पर आधारित बताया। उन्होंने कहा कि यह सोच कमजोरों को दबाने और ताकतवरों से बचकर भागने पर टिकी है। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 2023 के बयान का जिक्र करते हुए कहा- 'विदेश मंत्री ने कहा था कि चीन हमसे बहुत ताकतवर है, इसलिए उससे लड़ाई कैसे करें। यही आरएसएस-भाजपा की सोच है- जो ताकतवर हो, उससे डरकर भागो, और जो कमजोर हो, उसे दबाओ।'

सावरकर की किताब का भी दिया हवाला

राहुल गांधी ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर की किताब से एक घटना का जिक्र करते हुए कहा- 'सावरकर ने लिखा है कि एक बार उन्होंने और उनके दोस्तों ने मिलकर एक मुसलमान शख्स को पीटा और उस दिन वे बहुत खुश हुए। अगर पांच लोग मिलकर एक अकेले इंसान को मारते हैं और इसे जीत मानते हैं, तो यह कायरता है। यही आरएसएस की विचारधारा है- कमजोरों को पीटना।'

लोकतंत्र पर हमला सबसे बड़ी चुनौती

राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। उन्होंने कहा- 'भारत में कई धर्म, भाषाएं और परंपराएं हैं। लोकतंत्र इन सबको जगह देता है, लेकिन आज लोकतांत्रिक ढांचा ही हमले में है। यही सबसे बड़ा खतरा है।'

भारत की ताकत और खामियां

हालांकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत की ताकतों पर भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि देश में इंजीनियरिंग और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में बहुत क्षमता है। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि 'भारत की संरचना में खामियां हैं, जिन्हें सुधारना जरूरी है।'

आरएसएस के स्मारक सिक्का को लेकर पीएम मोदी पर बरसे स्टालिन

'सांप्रदायिक सोच ने राष्ट्रपिता की हत्या की'

चेन्नई। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके. स्टालिन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने पर जारी किए गए विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्के का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए 'शर्मनाक और दयनीय स्थिति' है कि जिस संगठन की विचारधारा ने गांधीजी के हत्यारे की सोच को आकार दिया, उसी का स्मरण आजादी के भारत में सरकार की तरफ से कराया जा रहा है।

सीएम स्टालिन ने गांधीजी को श्रद्धांजलि

सीएम स्टालिन ने आज चेन्नई में गांधीजी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और इसकी नींव महात्मा गांधी ने रखी थी। उन्होंने कहा, 'गांधीजी वह शक्ति हैं, जो हमें हमेशा नफरत और विभाजन की ताकतों से लड़ने की हिम्मत देती रहेगी।'

प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा निशाना

मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सीधा हमला बोला। उन्होंने लिखा, 'यह दुखद है कि आज देश की बागडोर संभालने वाला शख्स, आरएसएस की शताब्दी पर विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी कर रहा है। यह वही संगठन है जिसने उस सांप्रदायिक सोच को जन्म दिया, जिसने हमारे राष्ट्रपिता की हत्या की। इस स्थिति से भारत को बाहर निकालना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है।'

लेह में बाज़ार खुले, एलजी बोले- लद्दाख की हर उम्मीद पूरी करेगी केंद्र सरकार

लेह। लद्दाख के लेह शहर के निवासी गुरुवार को कर्फ्यू में ढील का आनंद ले रहे हैं। प्रशासन द्वारा दी गई ढील के तहत दुकानें खुलने के बाद सड़कों पर वाहनों और पैदल यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। आज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बाज़ार खुलेंगे, जिससे उन लोगों को राहत मिलेगी जो आखिरकार अपने घरों से बाहर निकल पा रहे हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया, 'बाज़ार एक हफ़्ते से बंद थे।' यह विरोध प्रदर्शन लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लोगों द्वारा किया जा रहा था, जो लेह में पुलिस अधिकारियों के साथ झड़पों में बदल गया।

इससे पहले, लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) कविंदर गुप्ता ने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र सरकार 'लद्दाख की सभी उम्मीदों को पूरा करने' के लिए काम कर रही है और उम्मीद जताई कि मामला जल्द ही सुलझ जाएगा। गुप्ता ने एएनआई को बताया वे (लद्दाख के नेता जो विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे) प्रशासन के साथ बातचीत कर रहे हैं, और वर्तमान घटनाक्रम को देखते हुए, हम बातचीत की मेज पर भी चर्चा कर सकते हैं। एक बार ऐसा माहौल बन जाए, तो हम बातचीत शुरू करेंगे। प्रशासन ने लोगों के हितों का प्रतिनिधित्व करने की कोशिश की है... मैं पिछले दो महीनों से यहाँ हूँ, और मैंने किसी भी बैठक को अस्वीकार नहीं किया है। लोग मेरी बात सुनते हैं और समाधान की दिशा में काम करते हैं। एलजी गुप्ता ने कहा कि प्रशासन रोज़गार सृजन के लिए कदम उठा रहा है और अन्य क्षेत्रों के लोगों को शामिल करने के प्रयास भी जारी हैं। एलजी गुप्ता ने कहा कि यहाँ रोज़गार सृजन के प्रयास जारी हैं। हमने लगभग 1,000 पदों के लिए विज्ञापन दिया है। इसके अतिरिक्त, हम पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में लोगों को शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। यहाँ 18,000 एमएसएमई इकाइयाँ हैं, जिनमें 50,000 से ज़्यादा लोग कार्यरत हैं। इस बीच, एलजी गुप्ता ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव पवन कोतवाल, पुलिस महानिदेशक एसडी सिंह जामवाल, डीआईजी श्रीनगर दक्षिण पीके सिंह, लेह के उपायुक्त, लेह के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार, सीओ 79, रजत जैन, सीओ 25 और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

'भारत बनेगा विश्वगुरु इसमें आरएसएस की भूमिका अहम'; उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शताब्दी पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-आरएसएस ऐसा संगठन है जो धर्म, जाति और भाषा के आधार पर कभी भेदभाव नहीं करता, और सभी को गले लगाता है। यहीं विविधता में एकता का प्रतीक है, यह कहना है देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का जो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि भारत आने वाले समय में सर्वोच्च राष्ट्र के रूप में उभरेगा और इसमें संघ की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उप राष्ट्रपति ने संघ की सफलता को लेकर कहा है कि संघ की व्यापक सोच वाले दृष्टिकोण ने उसे और उससे जुड़े संगठनों को स्थायी रूप से सफल बनाया है, इससे राष्ट्र का समग्रता से विकास हुआ है। राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रभक्त संगठन सौ साल का हो चुका है। संघ का समाज निर्माण में सबसे बड़ा योगदान ऐसे आत्मनो शासित और उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण है, जो सशक्त समाज की नींव हैं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित किए जाने के बाद से संघ ने युवाओं में मजबूत आंतरिक

चरित्र निर्माण और बिना किसी लालच के समाज सेवा के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा स्वयंसेवक सेवा परमो धर्म के आदर्श से प्रेरणा लेकर किसी भी आपदा, बाढ़, अकाल, भूकंप आदि में डटकर खड़ा होता है। वह भी बिना किसी अपेक्षा और आदेश का इंतजार किए, वह पीड़ितों की सेवा करते हैं।

सरकार को मनोज जरांगे की चेतावनी

दिवाली से पहले बाढ़ प्रभावित इलाकों को 'सूखा' घोषित करें या...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार को भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में दीवाली से पहले गीला सूखा घोषित करना चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो वे आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को काम का दर्जा देने के साथ हर महीने पैसे दिए जाएं। उन्होंने कहा कि बीड़ जिले के नारायणगढ़ में दशहरा के मौके पर रैली में महाराष्ट्र सरकार और भाजपा नेता पंकजा मुंडे की आलोचना की।

मराठवाड़ा में बारिश का कहर

बता दें कि, महाराष्ट्र के कई हिस्सों, खासकर मराठवाड़ा क्षेत्र- छत्रपति संभाजीनगर, धाराशिव, लातूर, नांदेड, जलना, हिंगोली, परभणी और बीड़- में हाल में हुई भारी बारिश और बाढ़ ने हजारों एकड़ फसल को नुकसान पहुंचाया।

मनोज जरांगे ने आगे कहा कि, प्रभावित किसानों को 70,000 रुपये प्रति हेक्टेयर नकद दिए जाएं। यदि जमीन और फसल दोनों नष्ट हुई हो, तो 1.30 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर दें। जो किसानों की फसल और घर दोनों खराब हुए हों, उन्हें 100इ मुआवजा दें। गन्ना किसानों से 15 रुपये की कटौती न करें। उन्होंने किसानों के कर्ज माफ करने और आत्महत्या करने वाले किसानों के परिजनों को नौकरी देने की भी मांग की। मनोज जरांगे ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह का 25इ हिस्सा प्रभावित किसानों के लिए जमा किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और अन्य नेताओं से भी मदद जुटाने की बात कही। अगर किसानों की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो जरांगे ने चेतावनी दी कि वे गांवों में मतदान मशीनें लगाने नहीं देंगे।

मराठा आरक्षण पर भी बोलो मनोज जरांगे

जरांगे ने मराठा आरक्षण को लेकर कहा कि यदि मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र के मराठों को आरक्षण मिलता है, तो समुदाय मजबूत बनेगा। उन्होंने चेताया कि आरक्षण और अन्य मांगें पूरी नहीं हुईं, तो आगामी चुनावों में सत्ता पक्ष हर सीट पर हार जाएगा। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय के लोगों को प्रशासनिक और राजनीतिक पदों पर लाना चाहिए ताकि समुदाय मजबूत बने। वहीं पंकजा मुंडे के 'गजट ऑफ स्लेवरी' वाले बयान की आलोचना करते हुए जरांगे ने कहा, 'क्या हमारे बच्चों को गुलाम कहते हैं? अगर हम गुलाम हैं, तो क्या ब्रिटिश आपके रिश्तेदार थे?'

बीजेपी-आरएसएस पर अबू आजमी का हमला

ये जो भी काम करेंगे मुसलमानों के...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गांधी जयंती पर महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के प्रमुख अबू आजमी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को याद किया. इस दौरान उन्होंने बीजेपी आरएसएस पर जमकर निशाना साधा. अबू आजमी ने कहा कि भारत की आजादी में आरएसएस के लोगों का योगदान नहीं रहा. ये सच्चाई आज के जमाने को बच्चों को पता चलनी चाहिए.

न्यूज एजेंसी से बातचीत में अबू आजमी ने कहा, 'बीजेपी जो भी काम करेगी वो मुसलमानों के खिलाफ ही करेगी. जिसने एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया. एक भी मुस्लिम को मंत्री नहीं बनाया, मुसलमानों के खिलाफ जहर घोला जा रहा है.'

'आजादी में किन लोगों ने कुर्बानी दी ये बच्चों को पता होना चाहिए'

उन्होंने कहा, 'आज दुनिया कहां से कहां जा रही है. इतनी तरक्की हो रही है, लेकिन हम आज भी हिंदू-मुस्लिम में लगे हुए हैं, जिससे नफरत बढ़े. मेरा कहना है कि एआई का जमाना है. बच्चों को मॉडर्न एजुकेशन दी जानी चाहिए. नए जमाने के बच्चों को ये बताना चाहिए कि हमारा देश कैसे आजाद हुआ. देश की आजादी में किन लोगों ने कुर्बानी दी, ताकि सच्चाई उनके सामने आए और जो लोग नफरत फैला रहे हैं उनके बारे में पता चले.'

'आरएसएस ने सालों नहीं फहराया तिरंगा'

आजमी ने आगे कहा, आरएसएस के लोग संविधान को नहीं मानते हैं, इन्होंने कितने साल तक तिरंगा नहीं फहराया. ये लोग एक ही रंग में पूरे देश को रंगना चाहते हैं. आज एक एक बच्चे को संविधान पढ़ने की जरूरत है ताकि देश में अमन शांति पैदा हो सके.'

'आरएसएस के लोगों को अंग्रेजों से मिलती थी पेंशन'

उन्होंने ये भी कहा, 'हमने तो इतिहास में पढ़ा है कि जब आरएसएस के लोग जेल में बंद थे तो वह अंग्रेजों को चिट्ठी लिखा करते थे कि हमें छोड़ दो तो हम गांधी जी के स्वदेशी आंदोलन को हम मटियामैल कर देंगे. उनको अंग्रेजों से पेंशन मिलती थी. इन लोगों का भारत की आजादी में क्या योगदान है. ये जो सच है ये आज के लोगों को बताने की बहुत जरूरत है.'

महाराष्ट्र में केवल 2 ही दशहरा रैलियां... एकनाथ शिंदे के आयोजन पर संजय राउत ने बोला हमला

मुंबई। देश में दशहरा के मौके पर कई रैलियां होने वाली हैं. इसके साथ ही महाराष्ट्र में भी कई अलग-अलग रैलियां आयोजित की जा रही हैं. इनमें शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की रैलियां भी शामिल हैं. खासतौर पर एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं. दूसरी तरफ शिवसेना नेता संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर हमला बोला है. राउत ने इस दौरान आरएसएस को 100 साल पूरे होने पर शुभकामनाएं भी दी हैं.

मीडिया ने जब एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली को लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से सवाल किया तो बिफर गए. उन्होंने कहा 'ये शिंदे कौन हैं? महाराष्ट्र में सिर्फ़ दो दशहरा रैलियां होती हैं, जो सालों से होती आ रही हैं. इनके अलावा कोई रैली नहीं होती है.

विवाद की जड़ बनाएए का सिक्का, 'राष्ट्राय स्वाहा' पर क्यों बरपा इतना हंगामा?

संजय राउत ने कहा कि एक नागपुर में आरएसएस की दशहरा रैली होती है, जिसने आज 100 साल पूरे कर लिए हैं. दूसरी शिवाजी पार्क में रैली होती है, जिसकी शुरुआत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ने की थी. जो अब 60-65 साल पूरे कर रही है. उन्होंने कहा कि आज की रैली में उद्धव ठाकरे शामिल होंगे और लाखों समर्पित शिवसैनिक इसमें हिस्सा लेंगे.

कहां होगी उद्धव की दशहरा रैली?

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना की दशहरा रैली दादर के शिवाजी पार्क में होने जा रही है. यहां सालों से से दशहरा रैली आयोजित की जा रही है. इसकी शुरुआत शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने 1966 में की थी. इस रैली को लेकर उद्धव गुट ने कहा कि यह एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं बल्कि जनता की आवाज भी बनेगी.

शिंदे की रैली गोरेगांव में होगी आयोजित

उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना अलग रैली का आयोजन कर रही है. इसको एक तरह से शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है. एकनाथ शिंदे गुट शाम 6 बजे गोरेगांव के NESCO एग्जिबिशन सेंटर में अपनी रैली आयोजित करेगा. हालांकि इससे पहले यह कार्यक्रम आजाद मैदान में होना था, लेकिन बारिश और पानी भरने के कारण जगह बदल दी गई. इस रैली को लेकर एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस रैली के जरिए किसानों और बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए चंदा इकट्ठा किया जाएगा.

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के शुभारंभ के उपलक्ष्य में, नवी मुंबईवासियों ने बड़े उत्साह के साथ 'स्वच्छता उत्सव' मनाया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

17 सितंबर से शुरू हुए 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान को नवी मुंबई नगर निगम मुख्यालय में एकत्रित हुए स्वच्छता प्रेमी नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ मनाया। खास बात यह रही कि दशहरा उत्सव की छुट्टी होने के बावजूद, युवा और वृद्ध नागरिक, एकजुटता की भावना के साथ बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और स्वच्छता का उत्सव मनाया।

नवी मुंबई के नागरिकों द्वारा स्वच्छता के प्रति हमेशा से दिखाई गई प्रतिबद्धता को नवी मुंबई शहर की प्रतिष्ठा की ताकत बताते हुए, नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों में नागरिकों की बड़े पैमाने पर उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। आयुक्त ने विश्वास व्यक्त किया कि सुपर स्वच्छ लीग में हमारे शहर की रैंकिंग स्वच्छता के प्रति ज़िम्मेदारी बढ़ाती है और अगर हर कोई खुद से नियमित रूप से सफाई करना शुरू कर दे, तो हमारा शहर एक आदर्श के रूप में सामने आएगा। इसके लिए उन्होंने कहा कि हमारे काम की गति और दायरा बढ़ाया जाना चाहिए और सभी से अपने जीवन को आसान बनाने की अपील की।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर मूर्तियों की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के साथ अपर आयुक्त श्री सुनील पवार, नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड, प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसनराव पलांडे, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के उपायुक्त डॉ. अजय गाडे, जोन 1 के उपायुक्त श्री सोमनाथ पोटरे, खेल एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की उपायुक्त श्री अभिलाषा पाटिल, कार्यपालक अभियंता श्री मदन वाघचौडे, श्री प्रवीण गाडे, श्री राजेश पवार, मुख्य स्वच्छता अधिकारी श्री राजेंद्र इंगले उपस्थित थे।

रावण के प्लास्टिक पुतले के प्रतीकात्मक दहन की अभिनव पहल

इस अवसर पर एकत्रित प्लास्टिक से निर्मित रावण की प्रतिकृति का प्रतीकात्मक दहन किया गया। प्लास्टिक प्रतिबंध का संदेश सीधे तौर पर 'यह दशानन प्लास्टिक रावण है, हमारे जीवन के लिए खतरा है, आइए इसे हटाएँ और प्रकृति के ज्ञान को बचाएँ, आइए इसे प्रतीकात्मक रूप से जलाएँ और पर्यावरण की रक्षा करें' जैसी पंक्तियों से सजे एक प्लेकार्ड के माध्यम से दिया गया।

स्कूलों से प्लास्टिक एकत्र करने के एक विशेष अभियान में, 56 स्कूलों से 1364 किलोग्राम प्लास्टिक की बोतलें और अन्य प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया। उन प्लास्टिक की बोतलों और प्लास्टिक से रावण की एक भव्य प्रतिकृति बनाई गई और आज दशहरा यानी विजयादशमी के अवसर पर प्रतीकात्मक रूप से उसका दहन किया गया।

इस प्रतीकात्मक दहन का अर्थ है कि रावण की प्रतिकृति के रूप में बनाई गई प्लास्टिक की बोतलों और प्लास्टिक कचरे के टुकड़ों को श्रेडर में डालकर उनसे विभिन्न वस्तुएँ बनाई जाएँगी। प्लास्टिक रावण की यह प्रतिकृति नवी मुंबई के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से एकत्रित प्लास्टिक से बनाई गई है, जिसे प्लास्टिक मुक्त नवी मुंबई के लिए काम करने वाली संस्था, प्रोजेक्ट मुंबई के माध्यम से छात्रों की मदद से बनाया गया है।

आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने कहा कि विजयादशमी पर हम नकारात्मक और अवांछनीय चीजों का त्याग करते हैं और हमने रावण की प्लास्टिक प्रतिकृति के माध्यम से इसी भूमिका को दर्शाने का प्रयास किया है, और शहर के भविष्य कहे जाने वाले छात्रों को इसमें प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारे सभी त्यौहार प्रकृति से जुड़े हैं और पर्यावरण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सभी को प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने की आवश्यकता है।

स्वच्छता कार्य में मौलिक योगदान के लिए सफाई कर्मचारियों और गैर सरकारी संगठनों को सम्मानित किया गया

स्वच्छता ही सेवा अभियान के पखवाड़े के दौरान स्वच्छता पहल में अमूल्य योगदान देने वाले 90 से अधिक गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न महाविद्यालयों की एनसीसी इकाइयों को उनके धर्मार्थ कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

मध्य रेल ने सीएसएमटी में स्वच्छता उत्सव के साथ महात्मा गांधी जयंती मनाई

मध्य रेल के महाप्रबंधक ने 2 ईएमयू रेक और 2 इंजनों का निरीक्षण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल पर चल रहे विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत कई गतिविधियों के साथ 2 अक्टूबर, 2025 को महात्मा गांधी जयंती मनाई गई। इन स्मृति कार्यक्रमों में वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जो महात्मा गांधी द्वारा अपनाए गए मूल्यों - स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव - को दर्शाते हैं।

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री विजय कुमार ने इस अवसर पर उपस्थित होकर, उपनगरीय सभाकक्ष में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धां सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। उपनगरीय लॉबी में एक जीवंत रंगोली महात्मा गांधी की महानता और उनकी शिक्षाओं का प्रतीक थी, जिसने सभी को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर, महाप्रबंधक ने महात्मा गांधी के भित्तिचित्रों और स्वच्छता के नारों से सजे ईएमयू रेकों का निरीक्षण किया। उन्होंने ईएमयू रेकों के मोटरमैन केबिन का भी दौरा किया।

महाप्रबंधक ने एक ईएमयू रेक में नए समर्पित वरिष्ठ नागरिक कम्पार्टमेंट का भी निरीक्षण किया। मध्य रेल के सानपाडा कार शेड ने एक बॉम्बार्डियर ईएमयू रेक के लगेज कम्पार्टमेंट को इस विशेष सुविधा में परिवर्तित किया है। यह माटुंगा वर्कशॉप की पहल का अनुसरण है, जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीमेंस ईएमयू लगेज कम्पार्टमेंट को परिवर्तित करने का बीड़ा उठाया था।

इस कम्पार्टमेंट में आराम और सुगमता के लिए बेहतर सीटिंग व्यवस्था, बेहतर वेंटिलेशन और दृश्यता के लिए स्टेनलेस स्टील ट्यूबलर पार्टिशन और बेहतर माहौल और दृश्य अपील के लिए कम्पार्टमेंट के अंदर विनाइल रैपिंग की गई है। ये उन्नयन वरिष्ठ नागरिकों को अधिक आराम प्रदान करने की दिशा में एक सुविचारित कदम है। सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बुजुर्गों के लिए 7 सीटें, एंटीस्किड फर्श और ग्रैब हैंडल प्रदान किए गए हैं।

महाप्रबंधक ने महात्मा गांधी के चित्र और 'स्वच्छता ही सेवा' एवं 'स्वच्छोत्सव' के संदेश से सजे एक विद्युत लोको और एक डीजल लोको का भी निरीक्षण किया।

परेल वर्कशॉप स्थित सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा है' विषय पर प्रस्तुत एक प्रेरक नुक्कड़ नाटक की महाप्रबंधक ने खूब सराहना की। स्वच्छता और सामाजिक चेतना पर आधारित एक 'वेस्ट टू आर्ट' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। आगंतुकों और कर्मचारियों ने विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए गांधी भित्ति चित्र और सेल्फी पॉइंट का उत्साहपूर्वक आनंद लिया।

यात्रियों की भागीदारी बढ़ाने और स्वच्छता की आदतें विकसित करने के लिए उन्हें स्वच्छता शपथ के पर्चे भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री प्रतीक गोस्वामी, मध्य रेल के प्रमुख विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी, मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री हिरेश मीना और मुंबई मंडल के शाखा अधिकारी उपस्थित थे।

विशेष अभियान 5.0 (2-31 अक्टूबर, 2025) के एक भाग के रूप में, मध्य रेल स्वच्छता और ई-कचरे के व्यवस्थित निपटान पर केंद्रित गतिविधियाँ चलाएगा। इस अभियान में संपूर्ण स्वच्छता, बेहतर स्थान प्रबंधन, कार्यस्थल सौंदर्यीकरण, पर्यावरण-अनुकूल पहल, हरित प्रथाओं और पूरे नेटवर्क में डिजिटलीकरण पर भी ज़ोर दिया जाएगा। प्रत्यक्ष जन सहभागिता, स्टेशनों पर नागरिकों की प्रतिक्रिया को शामिल करने और अनावश्यक सामग्रियों व कबाड़ के निपटान के माध्यम से राजस्व को अधिकतम करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे पूरे रेल क्षेत्र में स्वच्छता और आधुनिक प्रबंधन मानकों को संस्थागत रूप दिया जा सके।

राजभवन में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित

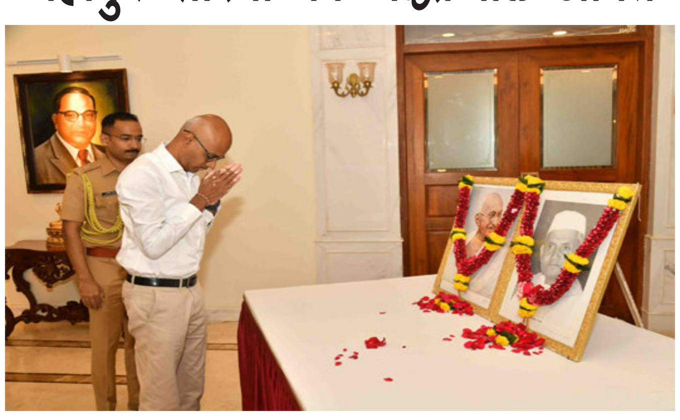

मुंबई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर राजभवन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राज्यपाल के उप सचिव एस. राममूर्ति ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, परिवार प्रबंधक डॉ. निशिकांत देशपांडे, सहायक अभय सिंह देशमुख और राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कैबिनेट में मेरी बहन, किसानों के नाम... दशहरा समागम से धनंजय मुंडे का बड़ा ऐलान

मुंबई(संवाददाता) ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के दशहरा समागम के बाद, राज्य में दूसरा दशहरा समागम हो रहा है। भाजपा नेता पंकजा मुंडे का दशहरा समागम सावरगांव के भगवान गढ़ में हो रहा है। पंकजा मुंडे और धनंजय मुंडे के एक साथ आने के बाद यह पहली बार है जब भगवान गढ़ में यह समागम हो रहा है। इसलिए इस समागम का विशेष महत्व है। इस समागम में पंकजा मुंडे, प्रीतम मुंडे और धनंजय मुंडे सभी एक साथ मंच पर मौजूद हैं। इस समागम के दौरान धनंजय मुंडे ने किसानों के लिए एक बड़ा ऐलान किया।

प्रीतम ताई को अपने भाषण में इसका ज़िक्र करना चाहिए। अगर मुंडे साहब के दशहरा समागम में आज तक कोई अभूतपूर्व समागम हुआ है, तो वह आज का है। मैं सभी को नमन करता हूँ। आपने मुंडे परिवार और पंकजा ताई के लिए इतना प्यार दिखाया है। अभूतपूर्व बारिश हुई। बाढ़ आ गई। किसानों को भयंकर संकट का सामना करना पड़ा। जब ऐसा संकट आया, तो मेरी मौसी और मैंने इस पर चर्चा की। हमें क्या करना चाहिए? लेकिन मेरी मौसी ने कहा कि इस दशहरे की परंपरा नहीं टूटनी चाहिए, धनंजय मुंडे ने कहा।

मैं किसानों की हर संभव मदद करूँगा

मैं अपनी मौसी का शुक्रिया अदा करता हूँ। आज किसान संकट में हैं। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति किसान है, खेतिहर मज़दूर है। मैं कैबिनेट में नहीं हूँ। सिर्फ़ एक विधायक हूँ। लेकिन मेरी बहन कैबिनेट में हैं और जब तक महायुति सरकार किसानों को ज़्यादा से ज़्यादा मदद नहीं करती, तब तक किसानों का अंत नहीं होगा, धनंजय मुंडे ने एक बड़ा ऐलान किया।

मुंडे के अनुयायियों को कोई खत्म नहीं कर सकता

सिर्फ़ घोषणा करने वालों को ही दशहरा मिलन की परंपरा का पता नहीं होगा। पता नहीं दशहरा मिलन कब शुरू हुआ और कब नहीं। भगवान गढ़ का उद्घाटन दशहरे के दिन स्वर्गीय यशवंतराव चव्हाण ने किया था जब वे मुख्यमंत्री थे। उस दिन से, यह दशहरा मिलन एक परंपरा बन गई है। अगर इस सभा को देश के नक्शे पर ले जाया गया है, तो वह गोपीनाथ मुंडे थे। आज भी मेरी आँखों में आँसू आ जाते हैं। उन्होंने इस सभा को दुनिया के नक्शे पर पहुँचाया। मुझे अपनी बहनों पर गर्व है। साहेब के जाने के बाद भी, आपने कई कठिनाइयों के बावजूद इस परंपरा को जारी रखा। मुझे आप पर गर्व है। जब हम छोटे थे, साहेब हमें हाथ पकड़कर किले में ले जाते थे। साहेब हमेशा कहते थे कि यह विचारों का आदान-प्रदान है। मैं आदान-प्रदान देखते हुए आगे आया। मैंने पीछे मुड़कर देखा। मैं पिछले दशहरे पर वहां गया था। उनमें से कई आज दिखाई नहीं देते। क्या आपने ऐसा कहा? उन्हें लगता है कि भविष्य में कोई चुनाव नहीं होंगे। लेकिन ध्यान रखें कि अगर कोई इस विचार के साथ यहां आता है, तो कोई भी हर जाति, धर्म, बाबा के भक्त, मुंडे साहेब के अनुयायी को खत्म नहीं कर सकता।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 132 से 135 वर्ष 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004 निम्नलिखित कार्यों के लिए सीलबंद निविदाएं आमंत्रित करता है।

क्र.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में)
1	DRM BRC 132 of 2025-26	वरिष्ठ डीईएन/दक्षिण/बीआरसी के अधिकार क्षेत्र में एसएसई (पी.वे) एन बीएच के अंतर्गत ट्रैक रखरखाव गतिविधियों की आउटसोर्सिंग 02 वर्षों के लिए।	9,38,98,271.91	6,19,500.00
2	DRM BRC 133 of 2025-26	वडोदरा मंडल:- वरिष्ठ डीईएन दक्षिण वडोदरा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न यार्डों में जल निकासी व्यवस्था में सुधार एवं अन्य संबंधित कार्य (पुनः आमंत्रित) (आर-1)।	20,26,50,877.15	11,63,300.00
3	DRM BRC 134 of 2025-26	वडोदरा मंडल:- वरिष्ठ डीईएन/उत्तर/वडोदरा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न यार्डों में जल निकासी व्यवस्था में सुधार एवं अन्य संबंधित कार्य (पुनः आमंत्रित) (आर-1)।	23,39,60,498.84	13,19,800.00
4	DRM BRC 135 of 2025-26	वडोदरा मंडल: वरिष्ठ डीईएन (पूर्व)-बीआरसी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत यार्डों में सुधार के संबंध में नाली का निर्माण एवं संबंधित सिविल कार्य (पुनः आमंत्रित) (आर-1)।	16,87,50,324.34	9,93,800.00

निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय: निविदा दिनांक **29.10.2025** को **15.00** बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को **15.30** बजे खोली जानी है। **वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पता: वेबसाइट: www.ireps.gov.in.** मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा -390 004.

BRC 209

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

नागपुर में विजयादशमी पर संघ प्रमुख का संबोधन, सुरक्षा से लेकर अर्थव्यवस्था तक कई मुद्दों पर बोले भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी समारोह में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देश के सामने खड़ी चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि यह अवसर केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी है।

कश्मीर हमला और अंतरराष्ट्रीय समर्थन

भागवत ने अपने भाषण की शुरुआत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए उस आतंकी हमले से की, जिसमें 26 श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना ने एक ओर भारतीय समाज की एकजुटता और नेतृत्व की दृढ़ता दिखाई, तो दूसरी ओर यह भी स्पष्ट कर दिया कि वैश्विक स्तर पर हमारे साथ वास्तव में कौन खड़ा है।

नक्सलवाद कमजोर, विकास पर जोर

आंतरिक सुरक्षा पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि नक्सलवाद अब काफी हद तक काबू में है। सरकार की सख्त नीति और जनता की जागरूकता से इस समस्या को नियंत्रित किया गया है। हालांकि उन्होंने आगाह किया कि यदि प्रभावित क्षेत्रों में न्याय और विकास

नहीं पहुंचा, तो यह समस्या फिर सिर उठा सकती है।

असमानता और आत्मनिर्भर भारत

अर्थव्यवस्था पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई और पूंजी का सीमित हाथों में सिमटना गंभीर चुनौती है। उन्होंने स्वदेशी और स्वावलंबन को इसका समाधान बताते हुए कहा कि वैश्विक व्यापार नीतियों से सबक लेकर भारत को आत्मनिर्भर बनना होगा।

हिमालयी संकट को चेतावनी बताया

भागवत ने पर्यावरणीय चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हिमालयी क्षेत्र में भूस्खलन, अनियमित बारिश और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने जैसी आपदाएं बढ़ी हैं। उनके मुताबिक, हिमालय केवल भारत ही नहीं, पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और जल संसाधन का आधार है।

पड़ोसी देशों की अस्थिरता पर चिंता

दक्षिण एशिया के हालात पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में हिंसक विरोधों से सरकारें बदलीं, लेकिन इस तरह का रास्ता स्थायी नहीं हो सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि बदलाव केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही संभव है। पड़ोसी देशों को 'परिवार का हिस्सा' बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी स्थिरता और समृद्धि भारत के लिए भी जरूरी है।

हनीट्रैप में फंसा मुंबई का व्यापारी, होटल में बुलाकर निकलवाए हजारों रुपये, 3 महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई के दक्षिण इलाके में सक्रिय हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है. वीपी रोड पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जबकि चौथी महिला आरोपी अब भी फरार है. पुलिस का कहना है कि ये गिरोह संगठित तरीके से व्यापारियों और अन्य लोगों को जाल में फँसाकर उनसे जबरन वसूली करती है.

हाल की घटना में 46 वर्षीय व्यवसायी को शिकार बनाया गया. पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता जलगांव का रहने वाला है और काम के सिलसिले में अक्सर मुंबई आता-जाता है. हाल ही में वह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचा, जहां स्टेशन के बाहर एक महिला उससे बातचीत करने लगी और 500 रुपये में सेक्सुअल सेवाएं देने की पेशकश की.

लूट को देते थे अंजाम

महिला उसे टैक्सी से गिरगांव ले गई और भारत भवन होटल के पास एक इमारत में ले जाकर कमरे में बुलाया. वहां पहले से एक अन्य महिला मौजूद थी. जैसे ही व्यापारी कमरे में पहुंचा, महिलाओं ने अचानक उस पर अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया. उसी दौरान तीन और महिलाएं अंदर आ गईं.

इसके बाद पीड़ित से जबरन उसका फोन अनलॉक कराया गया और एक मोबाइल ऐप के जरिए 22,000 रुपये ट्रांसफर कर लिए गए. इतना ही नहीं, आरोपी महिलाओं ने उसे सार्वजनिक रूप से बदनाम करने की धमकी देकर उसके बटुए से 13,000 रुपये नकद भी ले लिया.

कई लोगों को बनाया अपना शिकार

पहले तो व्यापारी डर के कारण चुप रहा, लेकिन बाद में हिम्मत जुटाकर 30 सितंबर को वीपी रोड पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. जांच में पुलिस ने ऑनलाइन ट्रांसफर की पुष्टि की और सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किया. पुलिस ने बताया कि आरोपी महिलाओं का नाम माजिदा नूर सरदार गाझी, रूपा विश्वनाथ दास और नसिम्मा जमान शेख है. तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया.

एक महिला अब भी फरार है और उसकी तलाश जारी है. पुलिस का मानना है कि गिरोह ने इसी तरीके से अन्य लोगों को भी निशाना बनाया होगा, लेकिन सामाजिक कलंक के डर से कई पीड़ित सामने नहीं आ रहे हैं. जांच यह भी की जा रही है कि क्या यह महिलाएं किसी बड़े जबरन वसूली सिंडिकेट से जुड़ी हैं.

'मराठी बोलने की क्या जरूरत है?' अबू आजमी की टिप्पणी पर भड़की राज ठाकरे की एमएनएस, कहा- अपनी भाषा में देंगे जवाब

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अबू आजमी ने मराठी भाषा विवाद के बीच बड़ा बयान दिया है. भिवंडी में मराठी में बोलने की आवश्यकता पर अबू आजमी ने सवाल उठाया. उन्होंने पूछा, 'मराठी और हिंदी में क्या अंतर है?' अब अबू आजमी की इस टिप्पणी से सियासी विवाद खड़ा हो गया.

यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब अबू आजमी ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के भिवंडी शहर का दौरा किया. वे यहां कल्याण रोड के चौड़ीकरण को रोकने की मांग कर रहे थे, जिसके चलते उन्होंने दौरा किया. इस इलाके में मुस्लिम समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है.

'दिल्ली या यूपी वाले नहीं समझते मराठी'- अबू आजमी

इस दौरान जब अबू आजमी मीडिया को संबोधित कर रहे थे तब मराठी पत्रकारों ने उनसे आग्रह किया कि मराठी में जवाब दें. इसपर सपा नेता ने कहा, 'मराठी और हिंदी में क्या अंतर है? मैं मराठी बोल सकता हूं, लेकिन भिवंडी में मराठी भाषा की क्या जरूरत है?' इसी के साथ, उन्होंने कहा कि दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे स्थानों पर 'मराठी बयान' समझ में नहीं आएंगे.

'राज ठाकरे की मनसे अपनी भाषा में देगी'

इस टिप्पणी पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ठाणे जिला इकाई के अध्यक्ष परेश चौधरी ने कड़ा ऐतराज जताया. उन्होंने कहा, 'अबू आजमी, आप महाराष्ट्र की राजनीति में हैं. जब आप महाराष्ट्र की राजनीति में हैं, तो उत्तर प्रदेश के लोगों की चिंता क्यों करते हैं? भिवंडी महाराष्ट्र में है. यहां केवल मराठी ही चलेगी. अगर आपको मराठी बोलने में शर्मिंदगी महसूस होती है, तो हम आपको मनसे की शैली में जवाब देंगे.'

शरद पवार गुट ने क्या कहा?

भिवंडी से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के लोकसभा सदस्य सुरेश म्हात्रे ने मराठी भाषा के महत्व पर जोर देते हुए सुझाव दिया कि आप जिस स्थान पर हैं, वहां की भाषा बोलना बेहतर होगा.

शिवसेना यूबीटी के लिए क्यों अहम है दशहरा रैली? भाषण में इन मुद्दों पर बात कर सकते हैं उद्धव ठाकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उद्धव ठाकरे की शिवसेना अपनी 58 साल पुरानी परंपरा को बनाए रखते हुए दसरा मेळावा आयोजित कर रही है. शाम सात बजे से यह आयोजन शिवतीर्थ पर होगा, जिसमें पारंपरिक शस्त्र पूजन और सोने का वितरण कार्यक्रम भी शामिल है. मेळावे की शुरुआत कुछ नेताओं के भाषणों से होगी, जिसके बाद पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे का भाषण होगा.

इस मेळावे को राजनीतिक रूप से भी काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि आगामी मुंबई महानगरपालिका और अन्य स्थानीय निकायों की चुनावी पृष्ठभूमि इसे रणनीतिक महत्व प्रदान करती है.

क्या दसरा मेळावा ठाकरे की शिवसेना के लिए है महत्वपूर्ण

इस साल का दसरा मेळावा विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उद्धव ठाकरे और उनके परिवार की पार्टी की मजबूती और राजनीतिक पकड़ को दर्शाता है. मेळावे के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में नया

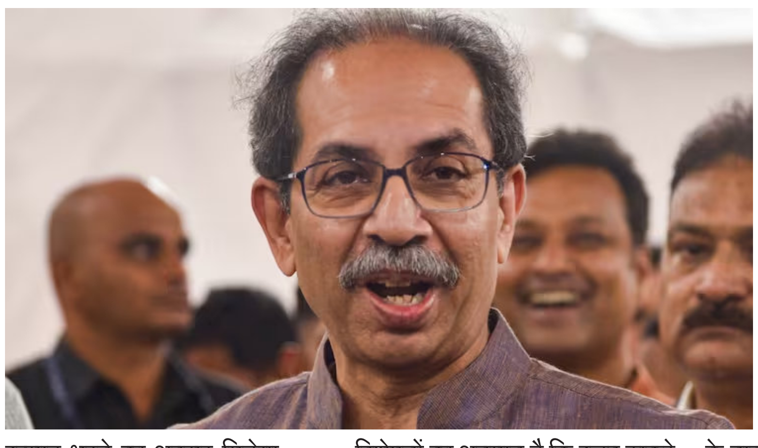

उत्साह भरने का अवसर मिलेगा.

उद्धव ठाकरे के भाषण में राज ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन और मनसे-शिवसेना युती के विषय पर साफ संकेत मिलने की संभावना है. इससे यह भी स्पष्ट हो सकता है कि महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी की स्थिति पर इस चुनाव में क्या असर पड़ेगा.

भाषण में इन मुद्दों पर बात कर सकते हैं ठाकरे

विशेषज्ञों का अनुमान है कि उद्धव ठाकरे अपने भाषण में निम्नलिखित मुद्दों पर बात कर सकते हैं: मुंबई महापालिका चुनावों के संदर्भ में कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश, शिंदे गुट से शिवसेना में हुए प्रवेश और खिंडार की स्थिति, राज्य में बाढ़ की स्थिति और प्रभावित किसानों के लिए मदद, केंद्र और बीजेपी की नीतियों पर टिप्पणी, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याएं और हाल ही में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मुकाबले पर भी भाषण हो सकता है.

बीजेपी की प्रतिक्रिया और चुनौतियां

दूसरी ओर बीजेपी ने मेळावे पर आलोचना भी की है. बीजेपी का कहना है कि उद्धव ठाकरे को मेळावा रद्द करके उस खर्च की राशि बाढ़ प्रभावितों की मदद में खर्च करनी चाहिए. इसके बावजूद शिवसेना ने स्पष्ट किया है कि इस वर्ष मेळावा आयोजित होगा.

शिवतीर्थ पर पावस के कारण मैदान में चिखल की समस्या होने के बावजूद मेळावा आयोजित करने का निर्णय पार्टी की दृढ़ता को दर्शाता है. शिवसेना सांसद संजय राउत ने भी कहा कि यह शिवतीर्थ का खास आयोजन है और इसे रद्द करना संभव नहीं था.

आपकी दिवाली काली नहीं होने देंगे.... एकनाथ शिंदे का बाढ़ पीड़ितों को मदद देने का ऐलान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई में शिवसेना की दशहरा रैली के अवसर पर ऐलान किया कि वह बाढ़ पीड़ितों की काली दिवाली नहीं होने देंगे, उन्हें दिवाली से पहले मदद मिलेगी. इस साल बाढ़ पीड़ितों के संकट को देखते हुए यह रैली सिर्फ मुंबई और ठाणे में आयोजित की गई थी. एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा कि अगर आज बालासाहेब होते, तो हमें आशीर्वाद देते.

एकनाथ शिंदे ने अपने भाषण में आगे कहा कि शिवसेना का दशहरा मिलन समारोह हमेशा धूमधाम से मनाया जाता है, इस साल किसान संकट में हैं और मराठवाड़ा में आपदा आई है. बाढ़ की स्थिति में फंसे किसानों की मदद के लिए मैंने शिवसैनिकों से कहा कि आप लोग वहीं रुककर बाढ़ पीड़ितों की मदद करें. एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा कि इस बार दशहरा मिलन समारोह को मुंबई और ठाणे तक सीमित रखा गया है.

हर आरोप और विवाद से डटकर लड़ाए, विरोधी भी हुए चित, फिर कहां

चूक गया संघ

उन्होंने कहा कि पीड़ित राज्य की आंखों में आंसू हैं. खेती-किसानी बर्बाद हो गई है. घर ढह गए हैं. मैंने उनकी पीड़ा अपनी आंखों से देखी है, क्योंकि बालासाहेब ने हमें 80 प्रतिशत सामाजिक कार्य और 20 प्रतिशत राजनीति करने को कहा था. हमने इस मंत्र को नहीं छोड़ा है. जहां भी संकट है, वहां शिवसेना है और जहां भी संकट है, वहां एकनाथ शिंदे हैं.

शिवसेना की मदद करने की है नीति

उन्होंने कहा कि शिवसेना की नीति सहायता प्रदान करने की है. बाढ़ ने किसानों को नष्ट कर दिया है. नियम और शर्तों को छोड़कर, हमें किसानों को सहायता प्रदान करनी चाहिए. संकट बड़ा है. किसान कह रहे हैं कि हमने कई वर्षों में इतनी बारिश नहीं देखी. सब कुछ नष्ट हो गया है. इसलिए हमने अपने आस-पास के लोगों को इस सभा में आमंत्रित किया.

उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव बड़ा है, खुशी में कोई कमी नहीं है, लेकिन इस बार बाढ़ का संकट है. हमने किसानों के लिए यह निर्णय लिया. अगर बालासाहेब आज यहां होते, तो वे हमारी पीठ थपथपाते. अगर अब मदद के लिए हाथ नहीं बढ़ाया, तो कबष्ठ पहले भी, जब सूखा या बाढ़ आई थी, शिवसैनिकों ने किसानों को खाद्यान्न, पानी और चारा उपलब्ध कराने का काम किया है.

दिवाली से पहले मिलेगी मदद

एकनाथ शिंदे ने कहा कि आप हिम्मत मत हारिए, आखिरी कदम मत उठाइए. आपके भाई यहां हैं. एक किसान का बेटा होने के नाते, मैं किसानों का दर्द महसूस करता हूं. मैं बाढ़ पीड़ितों की दिवाली काली नहीं होने दूंगा. आपके एकनाथ का वचन है कि दिवाली से पहले आपको मदद दी जाएगी.

उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे वो नहीं हैं जो कपड़े प्रेस करते हैं और वैनिटी वैन लेते हैं. वो शिवसैनिक नहीं हैं जो घर से काम करते हैं. बालासाहेब कहते थे कि एक शिवसैनिक को संकट में नहीं दिखना चाहिए. उसे लोगों के दरवाजे पर दिखना चाहिए.

पंकजा मुंडे का बीड के लिए बड़ा ऐलान

प्रीतम ताई अब रेलवे लेकर आईं...

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बीड। बीड ज़िले के सावरगांव घाट स्थित भगवान गढ़ में भाजपा नेता पंकजा मुंडे का पारंपरिक दशहरा समागम बड़े उत्साह के साथ हुआ। समागम को संबोधित करते हुए पंकजा मुंडे ने पानी के मुद्दे पर एक बड़ा और महत्वपूर्ण ऐलान किया। प्रीतम ताई रेलवे लेकर आईं, अब मैं पानी लाए बिना नहीं रहूँगी,' पंकजा मुंडे ने कहा। पंकजा मुंडे ने इस अवसर पर एक सांकेतिक बयान दिया कि अब मैं तब तक चैन से नहीं बैठूँगी जब तक पानी का मुद्दा हल नहीं हो जाता।

पंकजा मुंडे ने इस अवसर पर विभिन्न मुद्दों पर टिप्पणी की। अपने भाषण की शुरुआत करते हुए, पंकजा मुंडे ने दशहरा समागम के आयोजन के संबंध में एक बयान दिया। लोग पूछ रहे थे कि क्या दशहरा समागम होगा। मैंने कहा, मुझे नहीं पता। मैं भगवान बाबा के दर्शन करने जा रही हूँ। मैं कुछ नहीं कर रही हूँ। भगवान बाबा ने असीम कष्ट सहे। मैं उन बाबा के सामने नतमस्तक हुए बिना नहीं रह सकती। मेरे पिता दशहरा समागम में जाते थे। एक बार मुझे किले की तलहटी में एक समागम करना था। उसके बाद मैं यहाँ आई, पंकजा मुंडे ने कहा।

मैं तुम्हें झुकने नहीं दूँगी

लोग सावरगाँव के बारे में नहीं जानते थे। यह भगवान बाबा का जन्मस्थान है। हमने यहाँ बाबा की एक बड़ी मूर्ति स्थापित की। मैंने यह नहीं किया। मेरे कार्यकर्ता ने इसे स्थापित किया। यह स्मारक सरकारी सहायता से बनाया गया था। नहीं। यह गन्ना मज़दूरों के पसीने से बना है। मुंडे साहब ने मुझे जो दौलत और विरासत दी है, मैं उसे आगे बढ़ाऊँगा। लेकिन मैं आपका सिर नहीं झुकने दूँगा, उन्होंने आश्वासन दिया।

जब तक पानी नहीं लाऊँगा, मैं सोऊँगा नहीं

चाहे सत्ता में रहूँ या नहीं। मैं अठारा पगार जाति के लोगों के लिए लड़ूँगा। कल, बराडे धनगर आरक्षण के लिए बैठे थे। मैं उनके साथ था। गोपीनाथ मुंडे ने मराठा आरक्षण का विरोध नहीं किया। हमने भी नहीं किया। लेकिन यह अनुरोध है कि इसे हमारी थाली से न छीना जाए। मेरा समाज भूखा है। आज महात्मा गाँधी की जयंती है। मैं उन्हें नमन करता हूँ। मुझे गाँधी और अम्बेडकर की घटना याद है। गाँधी रात को जल्दी सो जाते थे। बाबासाहेब पूरी रात जागते रहे। मैंने बाबासाहेब से पूछा। तो, मेरा समाज सो रहा है। इसलिए मुझे नींद नहीं आ रही है। मैं भी आपको देखकर सो नहीं पा रहा हूँ। प्रीतम ट्रेन लेकर आया। अब मुझे पानी लाए बिना नींद नहीं आएगी, पंकजा मुंडे ने कहा।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना कार्यक्रम

मुंबई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मंत्रालय के बगल वाले पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सर्वधर्म प्रार्थना कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित धर्मगुरुओं ने प्रार्थना की। महात्मा गांधी स्मारक समिति के सचिव देवराज सिंह ने पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि विधायक अमीन पटेल ने भी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी स्मारक समिति के सदस्य सुमन पवार, प्रो. अमर सिंह सहित छात्रों और नागरिकों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

बालासाहेब का पार्थिव शरीर दो दिन तक... रामदास कदम का सबसे बड़ा बयान, इस दावे ने पूरे राज्य में मचा दिया हड़कंप!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की दशहरा रैली मुंबई के नेस्को सेंटर में आयोजित की गई थी। इस रैली में हज़ारों शिवसैनिक शामिल हुए। शिंदे ने इस रैली में ज़ोरदार भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने उद्धव ठाकरे और ठाकरे की शिवसेना की कड़ी आलोचना की। उनके भाषण से पहले शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री रामदास कदम ने भी भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने दिवंगत नेता और शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के निधन को लेकर चौंकाने वाले दावे किए। बालासाहेब का पार्थिव शरीर दो दिन तक मातोश्री में क्यों रखा गया? रामदास कदम ने सनसनीखेज मांग की है कि इसकी जाँच होनी चाहिए। उनके बयान की अब पूरे राज्य में चर्चा हो रही है।

रामदास कदम ने आखरि क्या कहा?

रामदास कदम ने अपने भाषण में बालासाहेब ठाकरे के निधन पर कुछ बयान दिए। 'शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे का निधन कब हुआ? और मैं एकनाथ शिंदे से अनुरोध करता हूँ कि वे पता लगाएँ कि उनका पार्थिव शरीर मातोश्री में कितने समय तक रखा गया था। मैं यह बयान ज़िम्मेदारी से दे रहा हूँ। मैं यह बहुत बड़ा बयान दे रहा हूँ,' रामदास कदम ने अपने भाषण में कहा। साथ ही, शिवसेना प्रमुख का इलाज कर रहे डॉक्टर भी वहीं मौजूद हैं। उन डॉक्टरों से पूछिए। उद्धव ठाकरे ने बालासाहेब ठाकरे का पार्थिव शरीर दो दिन तक क्यों रखा? उनके अंदर क्या चल रहा था? कदम ने यह सवाल भी उठाया।

वसीयत पर असल में किसने हस्ताक्षर किए?

आगे बोलते हुए, 'मैं उस दौरान आठ दिनों तक मातोश्री की बेंच पर सोया। मुझे सब पता था। लेकिन यह सब क्यों किया गया? किसी ने मुझे बताया कि माँसाहेब के हाथों के निशान लिए गए थे। फिर ये निशान क्यों लिए गए? असल में क्या चल रहा था? मातोश्री में सारी चर्चाएँ चल रही थीं,' रामदास कदम ने कहा। आगे बढ़कर बालासाहेब ठाकरे की वसीयत पर किसने हस्ताक्षर किए? यह वसीयत कब बनाई गई? इस पर किसने हस्ताक्षर किए? रामदास कदम ने भी सनसनीखेज मांग की कि उन्हें ऐसे सवाल पूछकर इन सब बातों का पता लगाना चाहिए।

आपने सबको मार डाला, क्या वजह थी?

आगे बोलते हुए, 'आप हमें क्या सिखा रहे हैं? हमने शिवसेना को बड़ा बनाया। हम जेल गए। आप हमें मार रहे हैं। आपने मनोहर जोशी, गजानन कीर्तिकर, दिवाकर रावते, रामदास कदम को मार डाला।' कदम ने ठाकरे पर यह भी हमला बोला कि ठाकरे एकनाथ शिंदे के पीछे पड़ गए थे।

सम्पादकीय

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की अधूरी कहानी, बेटियों के लिए योजना है, लेकिन जमीनी सच क्यों रह गया अधूरा?

समाज में महिला और पुरुषों की आबादी में संतुलन बेहद जरूरी है। देश में बेटियों की कम हो रही संख्या को समान अनुपात में लाने के लिए सरकार की ओर से हर स्तर पर प्रयास किए जाते रहे हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना भी इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। राष्ट्रीय स्तर पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य गिरते लिंगानुपात को रोकना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना तथा बालिकाओं की शिक्षा और शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़े कार्यों को गति देना है। बेटियों के लिए यह योजना निश्चित तौर पर बदलाव की वाहक बन सकती है, लेकिन सवाल है कि क्या यह परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ पा रही है?

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की हालिया रपट के तथ्यों से तो ऐसा नजर नहीं आ रहा है। रपट में कहा गया है कि इस योजना के तहत पिछले ग्यारह वर्षों में स्वीकृत राशि में से करीब एक तिहाई राशि का इस्तेमाल नहीं हो पाया है। वर्ष 2024-25 (31 दिसंबर तक) में तो सबसे कम करीब तेरह फीसद राशि ही खर्च हो पाई। ऐसे में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और इसकी सफलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह सच है कि नई तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती हैं। भ्रूण परीक्षण जैसे गैरकानूनी और अनैतिक कृत्य भी तकनीक के दुरुपयोग का ही परिणाम है। देश में लिंगानुपात गड़बड़ाने का एक कारण भ्रूण परीक्षण भी है। हालांकि इस पर कानूनन प्रतिबंध है, लेकिन चोरी-छिपे भ्रूण परीक्षण कराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। हमारे समाज की रूढ़िवादी मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार है। बेटे को प्राथमिकता और बेटियों को परिवार पर बोझ समझने की प्रवृत्ति आज भी मौजूद है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में समाज की इस सोच को बदलने का आह्वान भी सम्मिलित है। इसके क्रियान्वयन में जो लापरवाही देखी जा रही है, वह बेहद निराशाजनक है। जब इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया जा रहा है, तो इसका लाभ पात्र बालिकाओं तक कैसे पहुंचेगा? जिस उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी, वह लक्ष्य कैसे हासिल हो पाएगा? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

रपट में कहा गया है कि पिछले ग्यारह वर्षों में इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का सौ फीसद इस्तेमाल कभी नहीं हो पाया। यानी संबंधित अधिकारी यह तय ही नहीं कर पाते हैं कि इस राशि को कहां और कैसे खर्च किया जाए। जबकि योजना के मुताबिक, इस राशि का इस्तेमाल लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, पोषण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सुविधाएं और शौचालय के निर्माण जैसे कार्यों पर किया जाता है। जिला स्तर पर इस योजना को लागू करने के लिए धनराशि राज्य सरकार के माध्यम से प्रदान की जाती है।

रपट से पता चलता है कि कई जगह पोस्टर और नारों जैसे कार्यों पर ही अधिक राशि खर्च की गई है, जबकि बालिका शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर वास्तविक खर्च सीमित रहा। इससे साफ है कि इस योजना को जमीन पर उतारने में बहुस्तरीय लापरवाही बरती जा रही है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी, तभी यह योजना सही मायने में आगे बढ़ पाएगी।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा

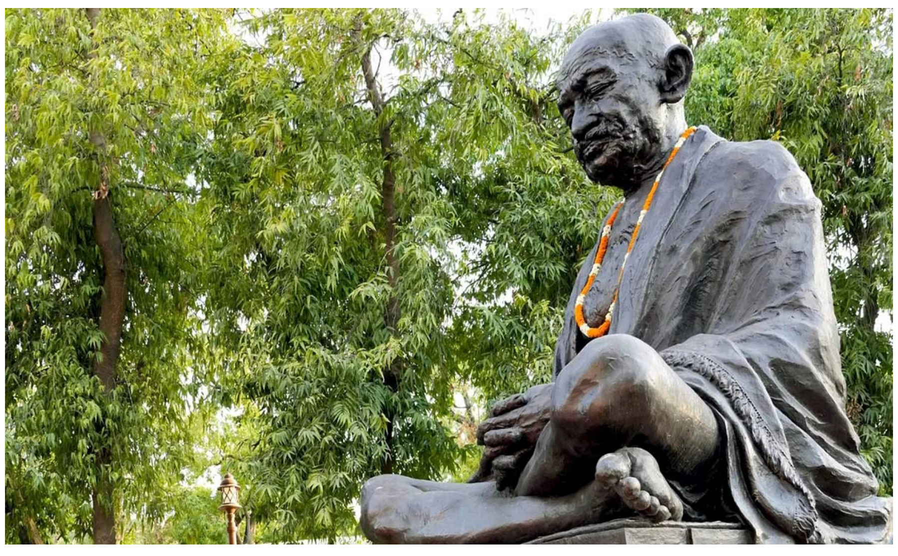

की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रूरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-'आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते'-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है, जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

शक्कर के डिब्बे से रिश्तों का सच, क्यों परवाह ही है जीवन की सबसे बड़ी ताकत?

बुजुर्ग महिला ने अपने पति को शक्कर का डिब्बा खोलकर देने को कहा जिसे बुजुर्ग ने खोलकर दिया। पास बैठे युवक ने भीतर जाकर महिला से पूछा कि स्वयं खोल सकने में समर्थ होने के बावजूद डिब्बा पति से क्यों खुलवाया। महिला ने समझाया कि इसी को परस्पर निर्भरता कहते हैं। इसी निर्भरता और परवाह के भाव से उसके हृदय रोगी पति में यह सोच जागती है कि वे बहुत ताकतवर और महत्त्वपूर्ण हैं। इससे अपने बीमार पति के साथ रिश्ते सुधरते हैं और प्रेम बढ़ता है। यह निर्भरता और परवाह की ताकत है।

एक या डेढ़ दशक पहले की सामाजिक व्यवस्था में परिवारजन और अन्य व्यक्ति एक-दूसरे पर निर्भर होते थे। आपसी रिश्तों में गर्माहट दिखती थी, क्योंकि परस्पर सहयोग और एक-दूसरे की परवाह थी। मगर सहयोग और परवाह करने को अब कमजोरी माना जाने लगा है। इस परवाह में स्नेह छिपा होता था, जुड़ाव बढ़ता था और अहंकार नहीं होता था। अब हर सुविधा के लिए पैसा तैयार है। पैसे से उपलब्ध होने वाले संसाधनों ने आपसी प्रेम को कम कर दिया है।

व्यक्ति को लगता है कि पैसा फेंककर कुछ भी मिल सकता है। इसी सोच के चलते आज का युवा येन केन प्रकारेण सिर्फ धन कमाने में व्यस्त है। यहां यह सोचने योग्य बात है कि क्या पैसे से सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है?

रिश्तों की संवेदना और उसमें बसने वाला प्रेम अब ढीला पड़ चुका है। माता-पिता की सेवा हो या नवजात शिशु का पालन पोषण, घर पर भोजन बनाना हो या छोटे-मोटे घरेलू कार्य- इन्हें करने के लिए पैसे देकर सहायक रख लेना शगल है। हर चीज पैसे से खरीदने की प्रवृत्ति के चलते व्यक्ति के अवचेतन मस्तिष्क में आपसी स्नेह भाव में कमी और रिश्तों से जुड़ी भावनाओं में खटास आ रही है। वर्तमान में व्यक्ति पैसा खर्च करने के लिए तो तैयार है, लेकिन समय देने में उसे आपत्ति है।

यह सोचने की बात है कि कितने फीसद माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं और समय दे रहे हैं। वे पैसा देकर ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक रखते हैं, लेकिन बच्चों को समय नहीं दे पाते। माता-पिता की सेवा में भी कमोबेश यही हालत है।

आपसी परवाह के कारण पहले मनुष्य एक-दूसरे के प्रति कृतज्ञता का भाव रखता था। अब कृतज्ञता की अभिव्यक्ति करने के लिए भी कीमत चुकाई जा रही है। माता पिता के प्रति कृतज्ञता दिखाने के लिए सेवकों का हुजूम है। बच्चों को विशेष पढ़ाई कराने के लिए ट्यूशन पढ़ाने वालों या प्रशिक्षकों की भीड़ है। मित्रों के लिए कृतज्ञता दिखाने के लिए उपहारों की बाढ़ है। पर इन सबके बीच एक चीज छूट गई है और वह है आपसी प्रेम, सद्भाव और रिश्तों में गहराई।

इसी पैसे खर्च करने की प्रवृत्ति के कारण रिश्ते बहुत जल्दी दम तोड़ने लगे हैं। आज के दौर में आपको दस वर्ष पुराने मित्र ढूंढ़ने पर भी नहीं मिलेंगे। रिश्ते बनने का अब सिर्फ एक ही कारण है और वह है स्वार्थ। स्वार्थ न रहा तो रिश्ता खत्म होने में देर नहीं लगाई जा रही, क्योंकि अब सहयोग और परवाह तो है ही नहीं। हर व्यक्ति स्वच्छंद है। रिश्तों की ऊष्मा को बचाने के लिए 'पैसों' की जगह 'परस्पर स्नेह' को प्राथमिकता देना ही उत्तम जीवन का आधार होना चाहिए।

जीवन दूसरों की परवाह करने और संबंधों पर टिका है। पेशा चाहे कोई भी हो, व्यक्ति की असली ताकत है प्रेमपूर्ण संबंध बनाना। संबंध अच्छे तभी बन सकते हैं, जब समानुभूति का भाव हो। समानुभूति का अर्थ है खुद को सामने वाले व्यक्ति की परिस्थिति में डालकर देखना। ऐसा करते ही हमारा नजरिया बदल जाता है और हमारे संबंध लंबे समय तक टिके रहते हैं। संबंध सिर्फ औपचारिक नहीं होते। संबंधों को प्रेम से, परवाह करने की प्रवृत्ति से और सामने वाले के दृष्टिकोण को समझने की शक्ति से सींचना पड़ता है।

वर्तमान समय में संबंधों का निर्माण करने, उन्हें बनाए रखने और अहंकार को त्यागने वाले ही सफल हैं। अनेक शोध अध्ययनों से पता चला है कि नए कर्मचारी के चयन में चौरासी फीसद नियोक्ता, संबंधों का निर्माण करने और कार्मिकों की परवाह करने वाले व्यावहारिक कर्मचारी को सबसे अच्छा मानते हैं। इसका अभिप्राय है कि ज्यादातर नियोक्ताओं के लिए कार्मिक का व्यवहार उसकी शिक्षा और योग्यता से ज्यादा महत्त्व रखता है।

चिकित्सकों में मानवीय व्यवहार के गुणों को विकसित करने वाले महान चिकित्सक डाक्टर विलियम ओस्लर ने अपनी पुस्तक 'प्रिंसिपल्स एंड प्रेक्टिसेज आफ मेडिसिन' में समझाया है कि मरीज एक मामला नहीं, बल्कि जीवंत व्यक्ति है और उसके साथ प्रेमपूर्ण संबंध रखना चाहिए। डा ओस्लर निमोनिया से पीड़ित एक ऐसी बच्ची का इलाज कर रहे थे, जिसकी मृत्यु तय थी।

उस बच्ची से वे रोज मिलने जाते और उसे एक गुलाब का फूल देते. अगले दिन दूसरा गुलाब देते हुए समझाते कि जिस प्रकार गुलाब एक दिन बाद कुम्हला जाता है, उसी तरह मनुष्य कभी भी कुम्हला सकता है। इस परवाह रखने वाले रवैये से डा ओस्लर ने उस बच्ची और उसके परिजनों का दुख कम किया। ओस्लर कहते थे कि रोग के वैज्ञानिक विश्लेषण और इलाज के साथ ही रोगी की पीड़ा को समझकर उसकी परवाह करना धर्म है।

परवाह करना या किसी से सरोकार रखना बहुत छोटा शब्द है, लेकिन यह दिखाना कि हमें किसी की परवाह है, बड़ी बात है। हमें सिर्फ परवाह करनी ही नहीं, बल्कि उस परवाह को जताने भी आना चाहिए। बीमार व्यक्ति की तबीयत पूछना, रोगी को उस रोग के मिट जाने का दिलासा देना, किसी शोकाकुल परिवार से नियमित अंतराल पर मिलते रहना आदि परवाह जताने के पल हैं।

राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली सौ वर्ष

डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने पावन पर्व विजयदशमी के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना राष्ट्र, संस्कृति व समाज हित के लिए की थी। संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करते हुए अपने कार्यों के दम पर करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए, राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से योगदान देने का कार्य निरंतर कर रहा है। हालांकि देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निर्माण के दिन से ही उसके बारे में तरह-तरह का दुष्प्रचार करने की क्षणिक स्वार्थ पूरा करने वाली राजनीति की जबरदस्त ढंग से होती रही है, यह लोग ओछी राजनीति से वशीभूत होकर के राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी कि आरएसएस की कोई भी भूमिका नहीं रही, आम जनमानस को ऐसा बता कर के संघ के प्रति आम जनमानस को बरगलाने का प्रयास करते हैं, जो सरासर ग़लत है।

वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्र निर्माण के लिए किये गये कार्यों की लंबी फेरहिस्त देखें तो उससे यह स्पष्ट होता कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का हमेशा अनमोल योगदान रहा है, उस योगदान की अनदेखी करना देश हित व समाज हित में उचित नहीं है। इसलिए समय रहते हम लोगों को यह समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश का अनुशासित सांस्कृतिक संगठन है, संघ का स्वयंसेवक बिना किसी लोभ-लालच के राष्ट्र व समाज के लिए निस्वार्थ भाव से अपने तन, मन और समय को अर्पित करने का कार्य करता है। एक सच्चे स्वयंसेवक का जीवन केवल निजी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह अपनी सांसों को भी मातृभूमि की सेवा का साधन बना देता है, वह राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए हर पल तत्पर रहता है।

वैसे भी किसी भी ताकतवर राष्ट्र के निर्माण के लिए अनुशासन व नैतिकता बेहद आवश्यक होती है, इन दोनों के बिना किसी भी ताकतवर राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के लिए नैतिकता व अनुशासन सर्वोपरि होता है, इसलिए उसका राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है।

संघ सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय निर्माण की विचारधारा के दम पर ही दुनिया भर में अपनी विशेष पहचान रखता है। यह देश व दुनिया का एक ऐसा संगठन है जो अपनी विशेष कार्यशैली के दमखम पर दुनिया में सनातन धर्म-संस्कृति के रक्षक तौर पर और एक बहुत बड़े सामाजिक संगठन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। संघ अपने निर्माण के सौ वर्षों के लंबे सफ़र के बाद अब अपनी कार्यशैली के बलबूते दुनिया के ताकतवर बड़े गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) में शुमार हो गया, आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक फैलें हुए हैं और सबसे अहम बात यह है कि संघ दुनिया भर का एक ऐसा संगठन है, जोकि अपनी स्थापना के सौ वर्षों के बाद भी अपनी विचारधारा व उद्देश्यों से जरा भी नहीं भटका है, आज भी अपनी विचारधारा पर संघ पूरी तरह से कायम है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली हमेशा अपना कार्य निस्वार्थ भाव से करना जारी रखती और कभी भी श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं करती है। हालांकि देश व दुनिया में जब से डिजिटल क्रांति आयी है तब से लोगों को यह पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। देश की आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य करते हुए राष्ट्र व समाज हित में निरंतर कार्य कर रहा है। आज देश के दूरदराज इलाकों तक में भी संघ अपनी 55 हज़ार शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर जनहित व राष्ट्रहित के कार्यों को निरंतर अंजाम दे रहा है।

राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य की बात करें तो संघ के स्वयंसेवकों ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने का कार्य बड़े पैमाने पर किया था।

संघ ने दादरा, नगर हवेली और गोवा के विलय में निर्णायक भूमिका निभाने का कार्य किया था, 2 अगस्त 1954 की सुबह संघ के स्वयंसेवकों ने पुतर्गाल का झंडा उतारकर तिरंगा फहरा कर पुतर्गाल के कब्जे से मुक्त करवाया था। संघ के स्वयंसेवक 1955 से चले गोवा मुक्ति संग्राम में शामिल रहे, उन्होंने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से तत्कालीन सरकार के द्वारा इनकार करने पर जगन्नाथ राव जोशी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर के आंदोलन शुरू किया था, लेकिन बाद में जब जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा हुई तो गोवा के हालत बिगड़ने पर अंततः भारत सरकार के सैनिकों को हस्तक्षेप करना पड़ा था और वर्ष 1961 में संघ की क्रांति के दीप से ही गोवा भी स्वतन्त्र हुआ था।

संघ के स्वयंसेवक अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा, आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेते आये है। भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान, युद्ध, महामारी (प्लेग व कोरोना आदि) और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा अपनी जान की परवाह किए बिना ही राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाते हुए नज़र आते हैं।

विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठनों के माध्यम से संघ देश में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। संघ के द्वारा शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30 हज़ार शिक्षण संस्थाओं में 9 लाख शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। वहीं आज देश के विभिन्न दूरदराज तक के हिस्सों में शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती देश का सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है।

वर्ष 1962 में चीन से हुए युद्ध में भी संघ ने बहुत बड़ी भूमिका का निर्वहन किया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिससे प्रभावित होकर संघ को वर्ष 1963 के गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने का निमन्त्रण तक दिया था।

संघ देश मे तेजी से चल रहे धर्मांतरण की आंधी को रोकने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, सामाजिक समरसता और सुधार के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। देश के आदिवासी क्षेत्रों में जिस तरह से तेजी से धर्मांतरण करने का जाल बिछाया गया, संघ के स्वयंसेवकों ने जान की बाजी लगाकर उसको काफी हद तक रोकने का कार्य किया है।

संघ ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को कम करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए बहुत सारे अभियान चलाए है। यह समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने पर जोर देता है। आदिवासी और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संघ के संगठन देश के दूरदराज तक के क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

संघ ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चले जेपी आंदोलन में और देश में लगे आपातकाल के विरुद्ध चले आन्दोलन में बड़ी अहम भूमिका निभाने का कार्य किया था और इंदिरा गांधी को सत्ता से बाहर करने का कार्य किया था।

संघ के स्वयंसेवकों ने प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए चले लंबे आंदोलन में बलिदान देकर के राममंदिर आंदोलन को तेज गति देने का कार्य किया था।

वैसे भी हमें यह समझना होगा कि सशक्त शक्तिशाली भारत का निर्माण केवल सरकार या सत्ता में बैठे हुए चंद लोगों के द्वारा नहीं हो सकता है। सशक्त भारत का निर्माण देश के किसानों, सैनिकों, दूरद्रष्टाओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, संतों, मजदूरों, व्यक्तियों और संगठनों सहित करोड़ों लोगों के सामुहिक प्रयासों से हुआ है। इसलिए एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ साल की यात्रा राष्ट्र के निर्माण के लिए गौरवशाली रही है। इस गौरवशाली यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनगिनत स्वयंसेवकों ने राष्ट्र निर्माण व मातृभूमि के कल्याण के संकल्प को पूरा करने के लिए अपना पूरा जीवन निस्वार्थ भाव से समर्पित करने का कार्य किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सौ साल की समर्पित और गौरवशाली यात्रा पर हम सभी को गर्व होना चाहिए और हमेशा इस यात्रा से प्रेरणा लेते हुए सभी देशभक्त देशवासियों को भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए कार्य करना चाहिए।

‘सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान’ के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रयागराज। गांधी जयंती के अवसर पर आज विकास भवन, प्रयागराज में ‘सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान’ के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज, श्री मनीष कुमार वर्मा ने ग्राम पंचायतों से एकत्रित सिंगल यूज प्लास्टिक से भरी हुई गाड़ियों को प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट्स की ओर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अभियान के तहत, प्रारंभिक चरण में 11 विकास खण्डों की 486 ग्रामपंचायतों से कुल 4072 किलोग्राम सिंगल यूज्ड प्लास्टिक संकलित कर जनपद मुख्यालय विकास भवन पर वाहन के माध्यम से इकट्ठा किया गया। इसके अतिरिक्त, अवशेष 12 विकास खण्डों की 645 ग्रामपंचायतों से भी 4816 किलोग्राम सिंगल यूज्ड प्लास्टिक को एकत्रित कर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट में सेग्रीग्रेट करने हेतु भेजा गया।

कुल मिलाकर, अभी तक जनपद की 1131 ग्रामपंचायतों से 8888 किलोग्राम सिंगल यूज्ड प्लास्टिक सफलतापूर्वक एकत्रित कर वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट को सौंपा गया है।

जिलाधिकारी प्रयागराज ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि जल स्रोतों, स्वच्छता तथा मानव एवं पशुधन के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक भोजन के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को हानि पहुँचाते हैं, साथ ही पशुधन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। अतः सभी नागरिकों का दायित्व है कि वे इसके उपयोग से बचें और प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में योगदान दें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने विकास भवन में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा आह्वान किया कि इस शपथ को केवल औपचारिकता न मानकर जन-जन तक पहुँचाया जाए। तत्पश्चात उन्होंने स्वयं झाड़ू लगाकर महात्मा गांधी जी द्वारा दिए गए स्वच्छता के संदेश तथा भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के अंतर्गत ‘एक पेड़ माँ के नाम’ पहल को भी प्रोत्साहित किया गया, जिसके अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयकगण, पंचायती राज विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संयोजन जिला पंचायत राज अधिकारी प्रयागराज, डरविशंकर द्विवेदी के तत्वावधान में किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए आश्वस्त किया कि जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों को धरातल पर पूर्ण निष्ठा से क्रियान्वित किया जाएगा।

यह कार्यक्रम 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक चलाए गए ‘स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव’ अभियान के समापन अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें जनपद स्तर पर व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की गई।

पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के शुभ अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर समस्त अधिकारी/कर्मचारीगणों को उनके आदर्शों का अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त यमुनानगर द्वारा माँ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत जोन यमुनानगर के विभिन्न थानों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

थाना बारा, मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीम द्वारा ‘मिशन शक्ति 5.0’ अभियान तथा ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द किया

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण व सहायक पुलिस आयुक्त बारा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान ‘मिशन शक्ति 5.0’ के तहत थाना स्थानीय पर गठित मिशन शक्ति टीम व एंटी रोमियो टीम को क्षेत्र में भ्रमण के दौरान अकेले घुमते हुए एक 10 वर्ष की बच्ची मिली जो अपनी चाची के साथ जसरा में मेला घूमने आयी थी, मेले मे अपनी चाची से बिछड़कर चिल्ला मोड़ थाना क्षेत्र बारा आ गयी थी । मिशन शक्ति टीम व एंटी रोमियो टीम द्वारा बच्ची को थाना स्थानीय पर लाया गया एवं बच्ची से स्नेहपूर्वक बात-चीत करते हुए उसके माता-पिता का नाम, मोबाइल नम्बर के संबंध में जानकारी की गयी तथा थाना स्थानीय पर बुलाकर बच्ची को उसकी माँ के सुपुर्द कर दिया गया । बच्ची के मिल जाने पर परिजनों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी ।

मिशन शक्ति’ जागरूकता अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा की दी जानकारी

प्रयागराज। मिशन शक्ति’ जागरूकता अभियान के अन्तर्गत नगर जोन कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त थाना क्षेत्रों में महिला बीट अधिकारी/एण्टी रोमियों टीम/महिला सुरक्षा हेतु विशेष दलों द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों 1090, 112, 181, 1930 व साइबर अपराध आदि के सम्बन्ध में जानकारी देकर जागरुक किया गया।

उ0प्र0 शासन की मंशा के अनुरुप ‘मिशन शक्ति 5.0’ अभियान के क्रम में श्रीमान पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नगर जोन के समस्त थानों की महिला बीट अधिकारियों/एण्टी रोमियों टीम/महिला सुरक्षा हेतु विशेष दल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांवों, कस्बों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण/चौपाल कर महिलाओं/बालिकाओं की समस्याओं से अवगत होकर उनकी सुरक्षा आदि के संबंध में वार्ता की गयी तथा उन्हें पम्पलेट वितरित किये गये। विभिन्न लाभप्रद योजनाओं/हेल्पलाइन नम्बर जैसे-(वूमेन पावर लाइन 1090), (महिला हेल्प लाइन 181), (एम्बुलेंस सेवा 108), (मुख्यमन्त्री हेल्पलाइन 1076), (पुलिस आपातकालीन सेवा 112), (चाइल्ड हेल्पलाइन 1098), (स्वास्थ्य सेवा 102), (साइबर हेल्प लाइन नं-1930) आदि नम्बरों के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही नगर जोन के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत बस अड्डा/सार्वजनिक स्थानों/प्रमुख चौराहों/कस्बों/प्रमुख बाजारों/मन्दिर/शिवालयों आदि के आस-पास गश्त करते हुए संघन चेकिंग की जा रही है। इस अवसर पर बिना कारण घूमने वाले शोहदों की चेकिंग की गयी तथा उन्हें सख्त हिदायत दी गयी।

पुलिस प्रशासन द्वारा रोके जाने के बावजूद भी दबंगों ने सरकारी खड़ंजे/नाली/सीवर लाइन पर रातों रात गेट लगाकर सीआरपीएफ इंस्पेक्टर के पैतृक घर के रास्ते को किया पूरी तरह से बंद

फाफामऊ। सोरांव तहसील क्षेत्र के फाफामऊ अंतर्गत ग्राम मातादीन का पूरा में दबंगों द्वारा सरकारी खड़ंजा/नाली/सीवर लाइन मार्ग पर जबरन गेट लगाकर रास्ता बंद किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित सुनील पटेल, जो सीआरपीएफ दिल्ली मुख्यालय में स्टेनो निरीक्षक पद पर तैनात हैं, ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत की थी कि उनके मना करने के बावजूद उनकी अनुपस्थिति में दबंगों ने उनके पैतृकघर के एकमात्र सरकारी रास्ते पर गेट लगाकर पूरी तरह बंद कर दिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी (सोरांव) ने नायब तहसीलदार मध्यवर्ती धनंजय यादव को राजस्व टीम के साथ मौके पर भेजा। जांच में पाया गया कि विपक्षीगणों ने जबरन मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से गेट लगाकर रास्ता बंद कर दिया है। इस पर नायब तहसीलदार ने तत्काल गेट हटाने के निर्देश दिए और फाफामऊ पुलिस को कार्रवाई करने को कहा।

स्थलीय रिपोर्ट में यह स्पष्ट हो गया कि यह रास्ता सरकारी है और सीआरपीएफ निरीक्षक के परिवार की आवाजाही इसी रास्ते से होती रही है। बावजूद इसके दबंगई दिखाते हुए विपक्षीगणों ने जबरन कब्जे की नीयत से गेट खड़ा कर दिया। प्रशासनिक टीम और पुलिस के निर्देश के बाद भी दबंगों का मनोबल और बढ़ गया है। पीड़ित का कहना है कि उनके पैतृक घर के बंद किए गए एकमात्र रास्ते पर लगे गेट को तत्काल हटवाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस से शीघ्र ठोस कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस मामले में तत्काल कठोर कार्रवाई हो, ताकि दोबारा कोई इस तरह का दुस्साहस न कर सके। ग्रामवासियों का कहना है कि यह सरकारी रास्ता सार्वजानिक है और आवागमन के लिए एकमात्र सरकारी रास्ता है, जिस पर अवैध गेट लगाना खुलेआम सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश है।

मिशन शक्ति 5.0 - नारी शक्ति का नया आयाम -उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा का नया अध्याय

गंगानगर जोन कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीम द्वारा चलाया गया अभियान

प्रयागराज। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजना ‘मिशन शक्ति 5.0’ के तहत श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक-02.10.2025 को गंगानगर जोन के समस्त थानों की महिला पुलिसकर्मियों/मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताकर जागरुक किया गया । टीम द्वारा बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में जानकारी देकर जागरुक किया गया एवं सोशल मीडिया को सावधानी पूर्वक प्रयोग करने के लिये भी सुझाव दिया गया । किसी भी शोहदों द्वारा परेशान करने पर तत्काल डायल-112 अथवा मिशन शक्ति टीम से शिकायत करने करने को बताया गया ।मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर जैसे पुलिस आपात सेवा-112, वूमेन पावरलाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 व मिशन शक्ति केन्द्र आदि के बारें में जानकारी देकर जागरुक किया गया तथा पम्पलेट वितरित किया गया ।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन व दशहरा के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना नवाबगंज क्षेत्रांतर्गत विभिन्न घाटों एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत सचिवालयों में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई महात्मागांधी-लाल बहादुरशास्त्री की जयंती

थरवई। ग्राम पंचायत सचिवालय जगदीशपुर पूरे चंदा एवं भिंदिऊरा में गुरुवार को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। दोनों महान विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके आदर्शों को नमन किया गया।इस मौके पर उपस्थित जनों को सत्य, अहिंसा और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। साथ ही गांधीजी और शास्त्रीजी के जीवन दर्शन, विचारधारा और देश के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि गांधीजी ने सत्य और अहिंसा को सबसे बड़ा हथियार बताया था तथा सभी धर्मों और भाषाओं को समान सम्मान देने पर बल दिया। जयंती कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अधिकारी रिचा सिंह यादव (जगदीशपुर पूरे चंदा), सुनीता सिंह (भिंदिऊरा), ग्राम प्रधान, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम का माहौल श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रप्रेम से सराबोर रहा।

इस्माइलगंज का ऐतिहासिक दशहरा मेला संपन्न, गूंजे जय श्रीराम के नारे

थरवई। क्षेत्र के इस्माइलगंज बाजार स्थित श्रीरामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक दशहरा मेला गुरुवार देर रात भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध की लीला के साथ संपन्न हुआ। पूरे मेला प्रांगण में जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। मेला परिसर में नन्हे-मुन्नों के लिए झूले, आकर्षक रंग-बिरंगी लाइटें और चाट-पकौड़ी समेत विभिन्न व्यंजनों की दुकानें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। क्षेत्रीय लोगों ने देर रात तक मेले में जमकर खरीदारी की और उत्साह का माहौल बना रहा।कार्यक्रम में मेला कमेटी के हाईकमान राकेश मिश्रा, अध्यक्ष गंगा प्रसाद केसरवानी, प्रबंधक आशीष केसरवानी, भास्कर मिश्रा, बृजेशपति त्रिपाठी के अलावा प्रभारी निरीक्षक थरवई संतोष कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन व दशहरा के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु गंगानगर जोन क्षेत्रान्तर्गत पैदल गस्त किया गया तथा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबन्धों की समीक्षा की गयी तथा सर्व- सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त थरवई मौजूद रहे।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर भिवंडी में भव्य रैली, जगह-जगह बरसे फूल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भिवंडी में विजयादशमी के शुभ दिन एक भव्य रैली का आयोजन किया गया। अशोक नगर चौक से प्रारंभ होकर यह रैली कोमडपाड़ा स्थित राजू गाजेंगी हाल तक निकाली गई। इस दौरान पूरे शहर में उत्साह और देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।रैली में संघ के हज़ारों स्वयंसेवक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता परंपरागत गणवेश में शामिल हुए। अनुशासित पंक्तियों में चलते स्वयंसेवकों ने शहरवासियों का ध्यान आकर्षित किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'भारत माता की जय' व 'वंदे मातरम्' जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।विशेष रूप से इस रैली में भाजपा के स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। जगह-जगह नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा रैली पर फूलों की वर्षा की गई। कई स्थानों पर स्वागत द्वार बनाकर प्रतिभागियों का अभिनंदन किया गया। संघ के पदाधिकारियों ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि आरएसएस ने पिछले एक सदी में राष्ट्रनिर्माण और समाजसेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विजयादशमी के दिन संघ द्वारा शक्ति, संगठन और अनुशासन का संदेश देने की परंपरा रही है। रैली के समापन पर राजू गाजेंगी हाल में एक सभा का आयोजन किया गया, जहां वक्ताओं ने संघ की विचारधारा, कार्यों और समाज के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी इस सभा में उपस्थिति दर्ज की। भिवंडी की सड़कों पर निकली यह रैली न केवल अनुशासन और संगठन का प्रतीक बनी, बल्कि शहर में उत्साह, ऊर्जा और एकता का संदेश भी छोड़ गई। इस अवसर पर भिवंडी पुलिस का भारी बंदोबस्त तैनात था।

महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री जयंती पर नगरपालिका मुख्यालय में श्रद्धांजलि

भिवंडी। भिवंडी-निजामपूर शहर महानगरपालिका में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई। महाराष्ट्र शासन सामान्य प्रशासन विभाग के 18 फरवरी 2025 के परिपत्रक और महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार मुख्यालय भवन के ग्राउंड फ्लोर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर महानगरपालिका के उपायुक्त (मुख्यालय) विक्रम दराडे और सहायक आयुक्त (स्वास्थ्य) शैलेश दोंदे ने महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम में सहायक आयुक्त (निर्वाचन) नितीन पाटील, प्रभाग समिति क्रमांक 1 के प्रभाग अधिकारी मकसूम शेख, प्रभाग समिति क्रमांक 5 के सहायक आयुक्त सईद चिवणे, स्वास्थ्य विभाग प्रमुख फैसल तातली, क्रीड़ा विभाग प्रमुख मिलिंद पलसूले, संगणक विभाग प्रमुख मंदार जोशी, भंडारगृह स्वास्थ्य विभाग प्रमुख मुजीब मस्तीम और प्रभाग समिति क्रमांक 5 के कार्यालयीन अधीक्षक समीर जवरे समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।सरकारी निर्देशों के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के आदर्शों को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

भिवंडी में पूर्व नगरसेवक पर बिजली चोरी का मामला दर्ज

भिवंडी (संवाददाता) । टोरेंट पावर कंपनी की सतर्कता टीम ने भिवंडी में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजली चोरी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में भिवंडी शहर मनपा के पूर्व नगरसेवक मतलूब सरदार उर्फ मतलूब अफजल खान पर बिजली चोरी का आरोप लगा है। कंपनी की ओर से दर्ज शिकायत के आधार पर भिवंडी के शांतिनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टोरेंट पॉवर कंपनी के सतर्कता अधिकारी शंकर गणपति सावरतकर ने 19 सितम्बर की दोपहर 4 बजे के करीब टीम ने उनके मकान का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि खान मतलूब ने दो काले रंग की तारों के माध्यम से सीधा कनेक्शन लेकर भारी मात्रा में बिजली का उपयोग किया। आरोपी द्वारा 9165 वॉट लोड के उपकरण चलाए जा रहे थे, जिनमें पंखे, फ्रिज, टीवी, एसी, वॉशिंग मशीन और अन्य घरेलू उपकरण शामिल हैं। कंपनी की रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने अवैध तरीके से 21,450 यूनिट बिजली का उपयोग किया, जिसकी कीमत लगभग 7 लाख 51 हजार रुपये आंकी गई है। उल्लेखनीय है कि मतलूब सरदार पहले भी बिजली चोरी के मामले में पकड़े जा चुके हैं। वर्ष 2022 में भी उन पर बिजली चोरी का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें 5 लाख 60 हजार रुपये से अधिक का बिल लगाया गया था। इसके बावजूद उन्होंने दोबारा यही अपराध किया। इस कार्रवाई के दौरान बिजली चोरी में इस्तेमाल की गई तार और अन्य सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। टोरेंट पावर कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन का उपयोग करें और चोरी जैसी गतिविधियों से दूर रहें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जायेगी।

भिवंडी में गायत्री परिवार द्वारा नव कुंडी गायत्री महायज्ञ संपन्न

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भिवंडी के अंजूर फाटा, कामतघर स्थित सनसिटी कॉम्प्लेक्स में गायत्री परिवार ट्रस्ट भिवंडी की ओर से भव्य नव कुंडी गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में आसपास की सोसायटियों के परिजन बड़ी संख्या में शामिल हुए और हवन-पूजन का लाभ उठाया।महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने माता शक्ति की उपासना के साथ-साथ वातावरण शुद्धि और सामाजिक एकता का संदेश भी ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गायत्री परिवार भिवंडी के जिला समन्वयक उपेंद्र जोशी के साथ देवेंद्र राजपुरोहित, राजकुमार शर्मा, देवाराम कुमावत, राजू भाई चौधरी, दिनेश राजपुरोहित, दिनकर सिंह, सुरेश रावल चंद्र, प्रकाश जैन, मनीष ठक्कर, केयूर शाह, जिग्नेश गाला, जिगर ठक्कर, अनाराम चौधरी, भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष प्रीतेश हरिया, आशीष सांघवी, किशन चौधरी, लिलचंद लोहार, प्रशांत गोटे और मोहन जी राजपुरोहित समेत अनेक गणमान्य लोग सक्रिय रूप से जुड़े रहे,सनसिटी परिवार के सभी सदस्यों की सहभागिता से यह महायज्ञ श्रद्धा और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने इसे नवरात्रि का विशेष आध्यात्मिक अनुभव बताया।

अशोक नगर चौक के सुशोभीकरण और सुरक्षा की मांग तेज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के अशोक नगर स्थित 'शके शालिवाहन अमर शहीद राव राम बख्श सिंह चौक' के सुशोभीकरण और सुरक्षा को लेकर शालिवाहन सेवाभावी संस्था (रजि.) ने आवाज़ बुलंद की है। संस्था के संस्थापक एवं अध्यक्ष विनोद चन्द्रनाथ त्रिपाठी ने भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक रईस कासम शेख को पत्र सौंपते हुए चौक के पुनर्विकास की मांग रखी।

संस्था ने अपने निवेदन में कहा कि यह चौक विधायक निधि से निर्मित हुआ था और इसका विशेष महत्व है। शके संवत भारत सरकार का राष्ट्रीय कैलेंडर है, जिस पर हिंदू धर्म के पर्व-त्योहार, धार्मिक कार्यक्रम और विवाह मुहूर्त आधारित होते हैं। इसलिए चौक का संरक्षण और सौंदर्यीकरण समाज की आस्था से जुड़ा हुआ विषय है।संस्था ने चौक परिसर में गार्डन का निर्माण, पेवर ब्लॉक, ग्रिल, बैठने की बेंच और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की मांग की है। इसके लिए लगभग 15 लाख रुपये विधायक निधि से उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया गया है।अध्यक्ष विनोद त्रिपाठी ने बताया कि चौक की अनदेखी से क्षेत्र असुरक्षित होता जा रहा है और यहां गंदगी फैलने लगी है,महानगरपालिका क्षेत्र में होने के बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि संस्था के पदाधिकारी प्रतिदिन पानी से चौक की धुलाई कर उसे स्वच्छ रखने का प्रयास करते हैं।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चौक के शीघ्र सुशोभीकरण और सुरक्षा की दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो यह समाज की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला होगा। संस्था ने विधायक के साथ-साथ भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका प्रशासन से भी त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

भिवंडी पालिका परिसीमा में नहीं थम रहा अवैध इमारतों का निर्माण

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका प्रशासन पर अवैध इमारतों को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। हाल ही में पालिका आयुक्त की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया गया था कि वर्ष 2022 से अब तक केवल 291 अवैध इमारतों का निर्माण हुआ है। मगर शहर की हकीकत इस बयान से बिल्कुल अलग है। भिवंडी में 501 से अधिक अवैध गगनचुंबी इमारतें खड़ी हो चुकी हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन अवैध इमारतों को पूर्व नगरसेवकों और कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। नगर रचना अधिनियम और पालिका अधिनियम सिर्फ कागज़ों तक ही सीमित रह गए है। शहर के लगभग हर प्रभाग में अवैध निर्माण तेज़ी से जारी है। मेट्रो होटल के पीछे पिछले दो वर्षों में 5 से 7 इमारतें खड़ी हो चुकी हैं, जिनमें कुछ अभी भी निर्माणाधीन है। गैबीनगर में सात इमारतों पर काम चल रहा है, वहीं पद्मानगर और शास्त्रीनगर क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक अधूरी इमारतें मौजूद हैं। नालापार और दरगाह क्षेत्र में भी लगभग 12 इमारतों का निर्माण जारी है। हाल ही में सहायक आयुक्तों ने अपने-अपने क्षेत्र में एक मंजिला इमारत तोड़ने की कार्रवाई का दिखावा किया था, लेकिन यह कदम ऊंट के मुंह में जीरा साबित हुआ। आयुक्त अनमोल सागर ने आदेश दिया था कि हर सप्ताह कम से कम एक अवैध इमारत पूरी तरह गिराई जाए और इसके लिए दो-दो बीट निरीक्षकों की नियुक्ति भी की गई थी। इसके बावजूद बिल्डरों ने खुलेआम दिनदहाड़े काम शुरू कर दिया।जानकारी के अनुसार, अवैध इमारतों से भारी भरकम वसूली होती है जो सीधे उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई जाती है। यही कारण है कि बिल्डरों की मशीनों पर कार्रवाई का हथौड़ा कभी नहीं चलता। शहर में खड़ी ये अवैध इमारतें न केवल कानून व्यवस्था का मखौल उड़ाती हैं, बल्कि भिवंडी की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी हैं।

भारत-चीन ने मिलाया हाथ! 5 साल बाद शुरू होंगी दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि भारत और चीन पांच साल से अधिक समय के बाद इस महीने के अंत में सीधी उड़ानें फिर से शुरू करेंगे। बजट एयरलाइन इंडिगो ने कहा कि वह 26 अक्टूबर, 2025 से कोलकाता से गुआंगझोउ के बीच नॉन-स्टॉप दैनिक उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइन इसके तुरंत बाद दिल्ली और गुआंगझोउ के बीच सीधी सेवा शुरू करने की भी योजना बना रही है।

कोविड-19 महामारी के प्रकोप और विवादित हिमालयी सीमा पर घातक झड़पों के बाद राजनयिक संबंधों में आई तीव्र गिरावट के बाद, दोनों देशों के बीच सीधी यात्री उड़ानें 2020 में निलंबित कर दी गई थीं। हवाई संपर्क में ठहराव के बावजूद, चीन भारत का सबसे बड़ा द्विपक्षीय व्यापार साझेदार बना हुआ है, हालाँकि अपने पड़ोसी देश के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है, जो लगभग 99.2 अरब डॉलर तक पहुँच गया है।

उड़ानों की बहाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सात साल में पहली बार चीन यात्रा के कुछ हफ़्ते बाद हुई है। इस यात्रा के दौरान, मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोनों देशों को 'प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि विकास साझेदार' बताया और बढ़ती वैश्विक टैरिफ अनिश्चितता के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।

साथ ही, मोदी ने व्यापार असंतुलन पर भारत की चिंताओं को उठाया और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 'शांति और स्थिरता' की आवश्यकता को रेखांकित किया, जहां 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद से लंबे समय तक सैन्य गतिरोध के बाद से तनाव बढ़ गया है।

मौन हुआ बनारस घराने का सुर, पद्म विभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र का देहावसान, पीएम मोदी और योगी ने जताया शोक

वाराणसी। प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का गुरुवार (2 अक्टूबर) सुबह लगभग 4:00 बजे उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 89 वर्षीय मिश्र पिछले कई महीनों से चिकित्सा देखभाल में थे। उनकी बेटी नम्रता मिश्रा ने मीडिया को फ़ोन पर उनके निधन की खबर की पुष्टि की। पंडित मिश्र का पार्थिव शरीर दोपहर बाद मिर्ज़ापुर से वाराणसी लाया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार आज रात मणिकर्णिका घाट पर होगा, जो इस पवित्र नगरी के सबसे पवित्र दाह स्थलों में से एक है।

पद्म विभूषण से सम्मानित गायक छन्नूलाल मिश्रा को हृदय संबंधी समस्या के बाद बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से संबद्ध सर सुंदरलाल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था, जहां उनका हीमोग्लोबिन की कमी और बिस्तर पर पड़े घावों का इलाज किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्हें भारतीय कला और संस्कृति के आजीवन उपासक के रूप में याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि मिश्र जी ने न केवल शास्त्रीय संगीत को आम जनता के करीब लाया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय परंपराओं को प्रदर्शित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोदी ने उस्ताद के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि पंडित मिश्र ने वर्षों तक उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया और 2014 में वाराणसी सीट से उनके प्रस्तावक भी रहे। उन्होंने मिश्र जी के परिवार और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। ॐ शांति।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ, 'पद्म विभूषण' प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं शास्त्रीय संगीत विधा की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उन्होंने कहा कि आपने अपना पूरा जीवन भारतीय शास्त्रीय गीत-संगीत के उत्थान में समर्पित कर दिया। आपका गायन कला साधकों के लिए एक प्रेरणा है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को सद्गति व उनके शोकाकुल परिजनों, अनुयायियों एवं प्रशंसकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति! पंडित छन्नूलाल मिश्र को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के महानतम प्रतिपादकों में से एक और बनारस घराना परंपरा के संरक्षक के रूप में व्यापक रूप से जाना जाता था। ख्याल, ठुमरी और भजनों की अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध, मिश्र की कला ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि को पीढ़ियों तक आगे बढ़ाया। उनके प्रदर्शनों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही श्रोताओं पर अमिट छाप छोड़ी।

ईवा लिस को हराकर कोको गाफ चीन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

बीजिंग (एजेंसी)। गत चैंपियन कोको गाफ ने बृहस्पतिवार को ईवा लिस को 6-3, 6-4 से हराकर लगातार तीसरे साल चीन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बीजिंग में अपनी सर्विस पर परेशानी हुई और उन्होंने ब्रेक-पॉइंट के सात मौके गंवाए। लेकिन अपने करियर का पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीतने की कोशिश कर रही जर्मनी की खिलाड़ी लिस उनसे से केवल तीन को ही भुना पाईं। लिस को फ्रेंच ओपन चैंपियन के खिलाफ पांच बार अपनी सर्विस गंवाना भारी पड़ा। गाफ के सामने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा या विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज जैसमिन पाओलिनी की चुनौती होगी।

दक्षिण अफ्रीका की नजर पहली विश्व कप ट्रॉफी पर इंग्लैंड शुरुआती लय हासिल करने की कोशिश में

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगी तो उसकी कोशिश पिछले कुछ वर्षों की प्रभावशाली प्रदर्शन को जारी रखने के साथ खिताब के सपने को साकार करने के लिए अच्छी शुरुआत करने की होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले दो वनडे विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है और हाल के दोनों टी20 विश्व कप में उपविजेता रही है।

दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले कुछ महीनों में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों को हराने के आत्मविश्वास से लबरेज होकर इस विश्व कप उतर रही हैं। टीम की बल्लेबाजी की कमान शानदार लय में चल रही लौरा वोलवार्ट और ताजमिन बिट्स संभालेंगी जबकि दिग्गज मारिजन कप्प गेंद और बल्ले दोनों से असरदार रहीं हैं। अनुभवी सूने लूस, क्लो ट्रायन और युवा खिलाड़ी नादीन डे क्लार्क और नंदुमिसो शांगेसे टीम में मजबूत विकल्प पेश करते हैं।

टीम की वोलवार्ट और ब्रिट्स की सलामी जोड़ी पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता चिंता का विषय हो सकती है। भारत और कोलंबो की परिस्थितियां स्पिन गेंदबाजों के मुफीद होंगी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के लिए यह एक कमजोर कड़ी मानी जा रही है। नॉनकुलेको म्लाबा स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगी और उन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। लूस, ट्रायन और शांगेसे में शानदार खिलाड़ी है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है।

इंग्लैंड की टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है और उनका हालिया प्रदर्शन भी मजबूत नहीं रहा है। भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 1-2 की हार ने उनकी कई कमजोरियों को उजागर किया। इस श्रृंखला में टीम की गेंदबाजी असरहीन दिखी और बल्लेबाजी पूरी तरह नेट सिवर-ब्रंट पर निर्भर रही।

टीम दबाव में बिखरती दिखीं ऐसे उसकी कोशिश टूर्नामेंट की शुरुआत से ही लय पकड़ने की होगी। हीदर नाइट और डैनी वायट-हॉज की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता आई है जबकि एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, और सोफिया डंकली जैसी बल्लेबाजों को भारतीय पिचें रास आती है। इंग्लैंड का सबसे बड़ा हथियार है उसकी स्पिन गेंदबाजी है। विश्व नंबर एक सोफी एक्लेस्टोन, सारा ग्लेन, चार्ली डीन, और शानदार लय में चल रही लिंसी स्मिथ की चौकड़ी टीम को खतरनाक बनाती है। लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, और एम एम अरलॉट तेज गेंदबाजी में मोर्चा संभालेंगी। टीमें- इंग्लैंड : नेट सिवर-ब्रंट (कप्तान), एम अरलॉट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्से स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज। दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिजन कप्प, ताजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको म्लाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लुस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे। समय : दोपहर बाद तीन बजे।

बैंक अब शेयरों पर एक करोड़ और आईपीओ पर 25 लाख तक लोन दे सकेंगे : आरबीआई प्रस्ताव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को शेयरों के एवज में दिए जाने वाले कर्ज और आईपीओ के वित्तपोषण पर बैंकों की ऋण सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव पेश किया जिससे निवेशकों को कर्ज की उपलब्धता बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि बैंकों द्वारा शेयरों पर दिए जाने वाले ऋण की सीमा 20 लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति व्यक्ति वित्तपोषण को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस कदम से बैंक निवेशकों को अब अधिक मात्रा में कर्ज मुहैया करा सकेंगे। मल्होत्रा ने बताया कि बैंकों के लिए रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और ढांचागत निवेश ट्रस्ट (इनविट) के एवज में दिए जाने वाले कर्ज की सीमा भी बढ़ाई जाएगी। वहीं सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों के लिए ऋण पर मौजूदा नियामकीय सीमा पूरी तरह हटा दी जाएगी।

आरबीआई ने कहा कि बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं (एनबीएफसी) के पूंजी बाजार संबंधी जोखिम पर क्षेत्रवार और व्यक्तिगत ऋण सीमा के साथ मार्जिन शर्तों के नियम लागू होते हैं। पिछले वर्षों में पूंजी बाजार और बैंकिंग प्रणाली की मजबूती को देखते हुए अब दिशा-निर्देशों को तर्कसंगत बनाना और बैंकों द्वारा पूंजी बाजार ऋण की संभावनाओं को व्यापक बनाना आवश्यक है।

इसके तहत भारतीय कंपनियों द्वारा अधिग्रहण के लिए बैंकों द्वारा वित्तपोषण की सुविधा का भी प्रस्ताव है। मौजूदा नियमों के तहत शेयर अधिग्रहण के लिए बैंकों को आमतौर पर अनुमति नहीं है। इसके अलावा, रिजर्व बैंक पूंजी बाजार मध्यस्थों को ऋण देने के लिए सिद्धांत-आधारित एक ढांचा तैयार करने की योजना बना रहा है। मसौदा दिशानिर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे और इस पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया मांगी जाएगी।

मीराबाई चानू वर्ल्ड चैंपियनशिप में चुनौती करेंगी पेश, भारत को मेडल दिलाने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चैंपियन मीराबाई चानू 2 अक्टूबर से नॉर्वे के फोर्डे में शुरू हो रही वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में एक बार फिर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस दौरान वह भारत की पदक की उम्मीदों को लेकर नए 48 किग्रा वर्ग में खुद को परखने की कोशिश करेंगी। भारत ने 12 सदस्यीय टीम उतारी है लेकिन 2017 की वर्ल्ड चैंपियन और 2022 की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई देश की एकमात्र मेडल दावेदार हैं।

2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग के साथ 31 साल की मीराबाई ने 49 किग्रा वर्ग से 48 किग्रा वर्ग में जाने का विकल्प चुना है। चोट से जूझ रही टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने एक साल के रिहैबिलिटेशन के बाद अगस्त में वापसी की और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में 193 किग्रा का वजन उठा सकीं। नए ओलंपिक चक्र में पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप में मीराबाई अपनी प्रगति के अलावा मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर नए और परिचित दोनों तरह के प्रतिद्वंद्वियों के प्रदर्शन का भी आकलन करेंगी। शर्मा ने पीटीआई को बताया कि ये टूर्नामेंट हमें ये समझने में मदद करेगा कि मीरा में क्या कमी है और हमें किन चीजों पर काम करने की जरूर है। 48 किग्रा वर्ग में कई नए वेटलिफ्टर हैं इसलिए हम अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और धीरे-धीरे बढ़ने के लिए प्रतिस्पर्धा पर नजर रखेंगे।

एसकेएफ इंडिया समूह 2030 तक मोटर वाहन औद्योगिक क्षेत्रों में 1, 460 करोड़ रुपए तक का करेगा निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली प्रमुख कंपनी एसकेएफ इंडिया समूह क्षमता विस्तार और एक नया कारखाना लगाने समेत मोटर वाहन और औद्योगिक क्षेत्रों में 2030 तक 1, 460 करोड़ रुपए तक निवेश करने की योजना बनाई है। समूह ने अपने वाहन और औद्योगिक कारोबार को अलग कर लिया है। कंपनी को उम्मीद है कि अलग हुई औद्योगिक इकाई एसकेएफ इंडिया (इंडस्ट्रियल) लिमिटेड आवश्यक अनुमोदन के बाद इस वर्ष नवंबर तक सूचीबद्ध हो जाएगी।

एसकेएफ इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि औद्योगिक कारोबार का विभाजन एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। बयान के अनुसार, "2030 तक प्रस्तावित 800-950 करोड़ रुपए के निवेश के साथ कंपनी महत्वपूर्ण विस्तार करेगी और 2028 तक पुणे में एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करेगी।"

इसमें कहा गया, "कंपनी हरिद्वार, पुणे और बेंगलुरु में 2030 तक 410-510 करोड़ रुपए के नियोजित निवेश के साथ मूल उपकरण विनिर्माण (ओईएम) की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए क्षमता का विस्तार करेगी जिससे वाहन निर्माताओं के लिए पसंदीदा भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करेगी और साथ ही अपनी सेवा एवं खुदरा नेटवर्क का विस्तार करेगी।" विभाजन पर एसकेएफ इंडिया के प्रबंध निदेशक मुकुंद वासुदेवन ने कहा, "दो केंद्रित एवं स्वतंत्र कंपनियां बनाकर हम भारत के दोहरे विकास इंजन, औद्योगिकीकरण और परिवहन के साथ खुद को जोड़ रहे हैं।"

वित्त मंत्री का महिलाओं को लेकर बड़ा ऐलान, बढ़ सकता है पेंशन कवरेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिलाओं और गिग वर्कर्स के लिए पेंशन सुरक्षा को मजबूत बनाने की योजना का ऐलान किया है। नई पहल में आसान ऑनबोर्डिंग, पेंशन सखी कार्यक्रम और वित्तीय साक्षरता पर जोर देकर नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) का दायरा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि मजबूत पेंशन सिस्टम से घरेलू बचत और लंबी अवधि के लिए पूंजी का उपयोग बढ़ेगा। उन्होंने महिलाओं को 'पेंशन सखी' बनाकर जागरूकता फैलाने की पहल पर जोर दिया। इसके साथ ही, योगदान को एकसमान करने, सही एसेट अलोकेशन और महंगाई से जुड़े लाभ देने की भी जरूरत बताई। वित्त मंत्री ने कहा कि अब तक एनपीएस की इक्विटी स्कीम्स ने औसतन 13इ सालाना रिटर्न दिया है, जबकि कॉर्पोरेट बॉन्ड और गवर्नमेंट सिक्योरिटीज ने करीब 9इ रिटर्न दिया है। उन्होंने बताया कि 2050 तक भारत में 60 साल से अधिक उम्र की आबादी कुल जनसंख्या का 20.8इ तक पहुंच जाएगी। ऐसे में रिटायरमेंट प्लानिंग आत्मनिर्भर भारत की नींव बनेगी। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि सरकार रोजगार, आर्थिक विकास और टैक्स सुधारों के जरिए बचत को बढ़ावा दे रही है। कम महंगाई और बढ़ती डिस्पोजेबल इनकम से परिवार अब ज्यादा बचत कर पा रहे हैं।

दिनेश कार्तिक का हांगकांग सिक्सेज के साथ करार, टीम इंडिया की कमान संभालेंगे

हांगकांग (एजेंसी)। दिनेश कार्तिक ने हांगकांग सिक्सेज के साथ करार किया है। हाल ही में आईएलटी20 में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलने के लिए सहमत होने के बाद कार्तिक (40) अपने पूर्व भारतीय और तमिलनाडु टीम के साथी आर अश्विन के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने पहले इस सिक्स-ए-साइड टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की थी। आयोजकों, क्रिकेट हांगकांग, ने कहा कि कार्तिक भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे।

कार्तिक ने कहा, 'हांगकांग सिक्सेस में टीम इंडिया का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका इतिहास इतना समृद्ध और वैश्विक है। मैं ऐसे खिलाड़ियों के समूह का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक हूँ जिनके नाम अविश्वसनीय रिकॉर्ड हैं। हम साथ मिलकर प्रशंसकों को खुशी प्रदान करेंगे और निडर और मनोरंजक क्रिकेट खेलेंगे।' यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक चलेगा। क्रिकेट हांगकांग चीन के अध्यक्ष बुर्जी श्रॉफ ने कहा, 'हमें हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए टीम इंडिया के कप्तान के रूप में दिनेश का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उनका नेतृत्व और अनुभव इस प्रतियोगिता में अपार मूल्य जोड़ेंगे, और हमें विश्वास है कि उनकी उपस्थिति दुनिया भर के प्रशंसकों को इस शानदार क्रिकेट उत्सव का गवाह बनने के लिए आकर्षित करेगी।'

इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 12 टीमें भाग लेंगी जिसमें दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, यूएई, भारत, पाकिस्तान, कुवैत, श्रीलंका, बंगलादेश और हांगकांग शामिल हैं। टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है और भारत और पाकिस्तान को, उम्मीद के मुताबिक, एक ही ग्रुप (ग्रुप सी) में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेंगी। क्वार्टर फाइनल की विजेता टीमें कप सेमीफाइनल में खेलेंगी जबकि हारने वाली टीमें प्लेट सेमीफाइनल में खेलेंगी।

प्रत्येक ग्रुप की सबसे निचली टीम बाउल प्रतियोगिता में खेलेगी। प्रतियोगिता में तीन दिनों में 29 मैच होंगे। प्रत्येक मैच छह ओवर का होगा, जिसमें प्रत्येक टीम में छह खिलाड़ी होंगे। विकेटकीपर को छोड़कर प्रत्येक गेंदबाज एक ओवर फेंकेगा और एक गेंदबाज दो ओवर फेंकेगा। सोनी स्पोर्ट्स इस टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा।

2000 रुपए के नोट को लेकर आया आरबीआई का नया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चलन से हटाए जा चुके 2, 000 रुपए के 5, 884 करोड़ रुपए मूल्य के नोट अब भी प्रचलन में हैं। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपए मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। हालांकि 2000 रुपए के बैंक नोट अब भी वैध मुद्रा बने हुए हैं।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि चलन में मौजूद 2000 रुपए के बैंक नोटों का कुल मूल्य 30 सितंबर, 2025 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 5, 884 करोड़ रुपए रह गया है। 19 मई, 2023 को चलन से हटाए जाते समय कारोबार की समाप्ति पर इन नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था। इसका मतलब है कि 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2000 रुपए के कुल बैंक नोटों में से 98.35 प्रतिशत अब वापस आ चुके हैं। इन नोटों को बदलने की सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। इसके अलावा, भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपए के नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए रिजर्व बैंक के किसी भी जारीकर्ता कार्यालय में भेजे जा सकते हैं।

रानी मुखर्जी को डेब्यू फिल्म से खुद उनकी मां करना चाहती थीं बाहर, सालों बाद हुआ खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर सुर्खियों में है। हाल ही में एक्ट्रेस को बेस्ट एक्ट्रेस 2023 के नेशनल अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके अलावा हाल ही में उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया, जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए। एक्ट्रेस ने अपना एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि जब उनकी डेब्यू फिल्म, 'राजा की आएगी बारात' का स्क्रीन टेस्ट उनकी मां कृष्णा मुखर्जी ने बहुत अजीब रिएक्ट किया था। एक्ट्रेस के पापा ने भी कुछ रिस्पांस नहीं दिया था।

रानी मुखर्जी ने बताया कि, 'मेरी मां का नजरिया कुछ ऐसा था कि तुम कोशिश करो और देखो क्या होता है, लेकिन जब मेरा पहला स्क्रीन टेस्ट हुआ, तो उन्हें मेरा परफॉर्मेंस इतना खराब लगा कि उन्होंने प्रोड्यूसर्स से साफ-साफ कह दिया कि मुझे लगता है कि मेरी बेटी को लेकर आप अपनी फिल्म बर्बाद कर देंगे। आपको नुकसान होगा। बेहतर होगा कि आप इसे साइन न करें। असल में, राजा की आएगी बारात के प्रोड्यूसर सलीम अंकल मुझे साइन करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थे, लेकिन मेरी मां इतनी समझदार थीं कि उन्होंने समझ लिया था कि मैं उस वक्त अच्छा काम नहीं कर रही थी। इसलिए उन्होंने उन्हें मना कर दिया और कहा कि मुझे नहीं लगता कि आपको मेरी बेटी को लेना चाहिए।'

आगे रानी ने बताया कि जब उन्होंने फिल्मों में आने की इच्छा जताई तो उनके पिता राम मुखर्जी भी कुछ खास एक्साइटेड नहीं थे। एक्ट्रेस ने कहा, 'पापा इसको लेकर ज्यादा एक्साइटेड नहीं थे, क्योंकि उस समय फिल्मी परिवारों की बेटियों का एक्टिंग करना बहुत आम नहीं था। तब ज्यादातर पुरुष ही इस इंडस्ट्री में काम करते थे, आज की तरह नहीं जहां लगभग हर स्टारकिड अपने पेरेंट्स के नक्शेकदम पर चलना चाहता है। उस दौर में चीजें कुछ अलग थीं। मुझे नहीं लगता कि उस समय फिल्म इंडस्ट्री को एक व्यावहारिक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाता था। जब मैं बड़ी हो रही थी, तब स्कूल में यह कहना कि मैं एक फिल्मी परिवार से हूं, कोई गर्व की बात नहीं मानी जाती थी।'

कभी एक रोल के लिए तरसी एक्ट्रेस, 40 बार हुई थीं रिजेक्ट, फिर पहली फिल्म मिलते ही कर दिया कमाल

फिल्मी दुनिया में एक ब्रेक मिलना भी काफी मुश्किल होता है। आज हम आपको एक ऐसी ही एक्ट्रेस के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म से पहले कुल 40 बार रिजेक्शन झेला। लेकिन कभी हार नहीं मानी और आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस के रूप में जानी जाती हैं। चलिए इन बेहतरीन अदाकारा से आपको मिलवाते हैं, जिनकी एक्टिंग और खूबसूरती के लोग दीवाने हैं। 'कहानी' से लेकर 'भूल भुलैया तक और 'द डर्टी पिक्चर' से लेकर 'लगे रहो मुन्ना भाई तक' इस एक्ट्रेस के हर किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। लेकिन अपने शुरूआती करियर में एक्ट्रेस को दर्जनों रिजेक्शन झेलने पड़े। कुल 40 बार उन्हें रिजेक्ट किया गया।

जी हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड की बेहद टैलेंटेड और हसीन अदाकारा विद्या बालन की, जो अपनी डेब्यू फिल्म से पहले कुल मिलाकर 40 बार रिजेक्ट हुई थीं। एक्ट्रेस ने कई बार इस बात का खुलासा किया कि कभी उनके लुक्स तो कभी उनकी बॉडी और स्टाइल को लेकर जज किया जाता था और उन्हें कोई काम नहीं देता था। एक्ट्रेस को कई फिल्ममेकर्स ने यह कहकर रिजेक्ट कर दिया कि वह मूवीज के लिए फिट नहीं हैं। लेकिन इसके बावजूद भी विद्या ने कभी हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती रही। फिर एक दिन वो वक्त आय जब उन्हें उनकी पहली फिल्म 'परिणीता' ऑफर हुई। यह एक जबरदस्त क्लासिक फिल्म है, जिसमें विद्या बालन की एक्टिंग को खूब सराहा गया। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस की किस्मत बदल गई। उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई।

परिणीता के बाद विद्या बालन पूरी इंडस्ट्री में छा गई। इसके बाद विद्या ने कहानी', 'भूल भुलैया', 'द डर्टी पिक्चर' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दीं। आज विद्या बालन का संघर्ष लाखों कलाकारों के लिए एक मिसाल हैं। 40 बार रिजेक्शन झेलने बाद भी वो रुकी नहीं और एक से बढ़कर एक लाजवाब किरदार निभाए। उनकी बेहतरीन फिल्में आज भी दर्शकों के दिल में बसती हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की शस्त्र पूजा: बोले- भारत जब चाहे, पाकिस्तान को देगा मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को विजयादशमी के अवसर पर भुज सैन्य अड्डे पर शस्त्र पूजा की। इस अवसर पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और दक्षिणी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भी उपस्थित थे। ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली एल-70 एयर डिफेंस (एडी) तोप भी समारोह के दौरान रक्षा मंत्री को विशेष रूप से भेंट की गई।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, एल-70 एयर डिफेंस तोप ने असाधारण प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया। यह तोप, जो प्रति मिनट 300 राउंड फायर कर सकती थी और 3,500 मीटर दूर तक के लक्ष्यों को भेद सकती थी, पाकिस्तानी ड्रोनों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, 'चाहे वह आतंकवाद हो या किसी भी अन्य प्रकार की समस्या, आज हमारे पास इससे निपटने और इसे हराने की

क्षमता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने लेह से लेकर सर क्रीक के इस क्षेत्र तक भारत की रक्षा प्रणाली में सेंध लगाने का असफल प्रयास किया था। भारत के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया और दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत के सशस्त्र बल जब चाहें, जहां चाहें और जैसे चाहें, पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।'

रक्षा मंत्री भुज सैन्य अड्डे पर शस्त्र पूजा से पहले सैनिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि, 'जब हम किसी शस्त्र की पूजा करते हैं, तो हम उस शक्ति का उपयोग केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए करने का संकल्प भी लेते हैं। भगवान राम ने अपने जीवन में इसी संकल्प का परिचय दिया। जब उन्होंने रावण के विरुद्ध युद्ध किया, तो उनके लिए वह युद्ध केवल विजय का साधन नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना का साधन था।'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'जब महाभारत का युद्ध भगवान कृष्ण के मार्गदर्शन में लड़ा गया था, तब भी उसका उद्देश्य पांडवों की विजय सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि धर्म की स्थापना करना था। शस्त्र पूजा इस बात का प्रतीक है कि भारत न केवल शस्त्रों की पूजा करता है, बल्कि समय आने पर उनका उपयोग करना भी जानता है।'

जुबीन गर्ग की मौत का सस्पेंस बढ़ा: मैनेजर-आयोजक पर हत्या का आरोप, असम पुलिस जांच में जुटी

गुवाहटी। असम पुलिस ने लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की हाल ही में सिंगापुर में हुई मौत के बाद उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। दोनों को बुधवार को दिल्ली से हिरासत में लिया गया और बाद में असम लाया गया। एक स्थानीय अदालत ने दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के अनुसार, शुरुआती जांच के आधार पर गिरफ्तारियाँ की गईं और जाँच दल दोनों से पूछताछ कर रहा है।

बताया जा रहा है कि जांच जारी है और मैं ज़्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हमने अब एफआईआर में बीएनएस की धारा 103 जोड़ दी है। बुधवार को, पुलिस ने घोषणा की कि शर्मा और महंत पर बीएनएस की कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही के कारण मौत का कारण बनना शामिल है। मीडिया

रिपोर्टों के अनुसार, जुबीन गर्ग की सिंगापुर में एक द्वीप के पास तैरते समय डूबने से मृत्यु हो गई। यह पहले के उन दावों के विपरीत है जिनमें कहा गया था कि स्कूबा डाइविंग के दौरान उनकी मृत्यु हुई।

सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने औपचारिक अनुरोध के बाद भारतीय उच्चायोग के साथ अपनी प्रारंभिक जाँच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की एक प्रति साझा की। उच्चायोग ने दस्तावेज़ प्राप्त होने की पुष्टि की है। मामले से परिचित एक सूत्र ने बताया कि रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से डूबने को मृत्यु का कारण बताया गया है। असम के रहने वाले गर्ग भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सिंगापुर आए थे। वह भारत-आसियान पर्यटन वर्ष समारोह और पूर्वोत्तर भारत महोत्सव में भी शामिल हुए थे।

जुबीन की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग, जो गायक के निधन के बाद 13वें दिन के अनुष्ठान के लिए जोरहाट में हैं, ने पत्रकारों से कहा कि अब उन्हें राहत महसूस हो रही है क्योंकि दोनों व्यक्तियों को असम वापस लाया गया है। उन्होंने कहा कि हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक है कि उनके अंतिम क्षणों में वास्तव में क्या हुआ था।

'मोदी होते तो कांग्रेस राज में ही होता पाकिस्तान पर एक्शन, 'ऑपरेशन सिंदूर' की नौबत न आती': गिरिराज

नई दिल्ली।केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में उसके नेताओं ने ऐतिहासिक रूप से कमज़ोर शासन का प्रदर्शन किया है। बेगूसराय में एएनआई से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर 'अर्बन नक्सल' जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब राहुल गांधी जैसी पार्टी का नेता अर्बन नक्सल जैसा व्यवहार करता है, तो स्वाभाविक है कि कांग्रेस के लोग भी वैसी ही बातें कहेंगे। चिदंबरम साहब ने जो कहा है, वह बहुत देर से कहा है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार एक कमज़ोर सरकार थी, उसमें कोई इच्छाशक्ति नहीं थी, और इच्छाशक्ति इसलिए नहीं थी क्योंकि कांग्रेस पाकिस्तान को वोट का ज़रिया समझती है। मुझे समझ नहीं आता कि देश बड़ा है, पार्टी बड़ी है या वोट बड़ा है।

उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार और वर्तमान सरकार के बीच अंतर पर ज़ोर देते हुए कहा, 'यह अल्पमत सरकार नहीं थी, लेकिन इच्छाशक्ति कमज़ोर थी; अगर उस समय प्रधानमंत्री मोदी की सरकार होती, तो आज ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए पाकिस्तान पर जो कार्रवाई की गई है, शायद अगर उस

समय नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री होते, तो वे उस समय कार्रवाई कर देते, इसलिए आज ऑपरेशन सिंदूर की ज़रूरत नहीं पड़ती।' उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर उसकी भूमिका की भी प्रशंसा की।

इस अवसर पर, सिंह ने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को बधाई दी और भारत के विकास के लिए संगठन की निस्वार्थ सेवा और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध, बाढ़, सूखे और अन्य आपदाओं सहित विभिन्न राष्ट्रीय संकटों में आरएसएस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ के स्वयंसेवक हमेशा सेवा में सबसे आगे रहे हैं। इस बीच, बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में आरएसएस के शताब्दी समारोह के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र निर्माण के लिए आरएसएस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने वर्षों से अनगिनत लोगों के जीवन को पोषित और मजबूत करने में मदद की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह मानव सभ्यताएँ विशाल नदियों के किनारे फलती-फूलती हैं, उसी तरह, सैकड़ों जीवन तटों पर और आरएसएस के प्रवाह में खिले और फले-फूले हैं। अपने गठन के बाद से, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक महान उद्देश्य का अनुसरण किया है। वह उद्देश्य राष्ट्र निर्माण रहा है।

राहुल के लोकतंत्र वाले बयान पर भड़के रविशंकर, बोले- जनता माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर विदेशी धरती पर भारत का 'अपमान' करने का आरोप लगाया और केंद्र सरकार पर उनके 'लोकतंत्र पर हमले' के आरोप का बचाव किया। यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता के लिए ऐसी टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के विकास को 'गाली' देने का भी आरोप लगाया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी विदेश में हैं। अच्छा होता अगर वह भारत की भलाई की कामना करते, लेकिन वह भारत पर हमला कर रहे हैं। वह हर बात निराधार कहते हैं। वह कहते हैं कि भारत में लोकतंत्र नहीं है। यहाँ पूर्ण लोकतंत्र है, लेकिन राहुल गांधी के साथ समस्या यह है कि वह सत्ता चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'कोलंबिया के बोगोटा में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लोकतंत्र नहीं है और लोगों को बोलने की आज़ादी नहीं है। राहुल गांधी सबसे ज़्यादा प्रधानमंत्री मोदी और देश के विकास को

गाली देते हैं।'

भाजपा सांसद ने कहा कि अगर राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं के दौरान भारत का अपमान करते रहेंगे, तो जनता उन्हें वोट नहीं देगी। प्रसाद ने आगे कहा कि चीन के प्रति उनका प्रेम तब स्पष्ट हो गया था जब उन्होंने कहा था कि भारत एक वैश्विक शक्ति नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप विदेश जाकर भारत का अपमान करेंगे, तो जनता आपको वोट नहीं देगी और आप इस बार जीती हुई सीटें नहीं जीत पाएँगे। अब आप चीन की तारीफ़ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत एक बड़ी वैश्विक शक्ति नहीं बन सकता, लेकिन चीन दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी बनने की राह पर है। चीन के प्रति आपका प्रेम साफ़ दिखाई देता है और आप भारत का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

उनकी यह टिप्पणी गुरुवार को गांधी द्वारा नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोकतंत्र पर हमला है। कोलंबिया के ईआईए विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गांधी ने 'संरचनात्मक खामियों' के मुद्दे पर प्रकाश डाला और सुझाव दिया कि देश की विविध परंपराओं को फलने-फूलने दिया जाना चाहिए।

गांधी ने कहा कि भारत में इंजीनियरिंग और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में मज़बूत क्षमताएँ हैं, इसलिए मैं देश को लेकर बहुत आशावादी हूँ। लेकिन साथ ही, इस ढाँचे में कुछ खामियाँ भी हैं जिन्हें भारत को ठीक करना होगा। सबसे बड़ी चुनौती भारत में लोकतंत्र पर हो रहा हमला है। कांग्रेस नेता ने तर्क दिया कि विविधता के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था बेहद ज़रूरी है, जो धार्मिक मान्यताओं सहित विभिन्न परंपराओं, रीति-रिवाजों और विचारों को पनपने देती है। हालाँकि, उन्होंने आगे कहा कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला हो रहा है, जो एक 'बड़ा जोखिम' या खतरा है। गांधी ने कहा कि भारत में कई धर्म, परंपराएँ और भाषाएँ हैं।

इजरायल ने गाजा जा रहे सहायता जहाजों को रोका, Greta Thunberg को भी हिरासत में लिया

इजरायली नौसेना ने गाजा की ओर जा रहे 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' के कई सहायता जहाजों को रोक दिया, जिनमें स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थुनबर्ग भी शामिल थीं। इजरायली विदेश मंत्रालय ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें थुनबर्ग सैनिकों से घिरी हुई एक जहाज के डेक पर बैठी दिखाई दे रही थीं।

इजरायली नौसेना की बड़ी कार्रवाई

अधिकारियों के अनुसार, बेड़े की नावों, जिनमें 'सीरियस', 'अल्मा' और 'अदारा' शामिल थीं, को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में रोक दिया गया और उन्हें इजरायली बंदरगाह की ओर मोड़ दिया गया। इजरायली मंत्रालय ने एक्स पर वीडियो साझा करते हुए पुष्टि की कि ग्रेटा और उसके दोस्त सुरक्षित और स्वस्थ हैं। फिलहाल, इन जहाजों के यात्रियों और कार्यकर्ताओं को एक इजरायली बंदरगाह पर स्थानांतरित किया जा रहा है।

गाजा क्यों जा रहे थे जहाज?

40 से अधिक नागरिक नावों वाला यह बेड़ा युद्धग्रस्त और अकाल-ग्रस्त गाजा में दवाइयां और भोजन जैसी मानवीय

सहायता पहुंचाने का प्रयास कर रहा था। उनका लक्ष्य समुद्री मार्ग से सहायता पहुंचाना और इजरायल द्वारा लगाई गई नाकेबंदी को तोड़ना था।

इजरायली नौसेना ने यह कार्रवाई तब की जब उन्होंने नावों को कई दिनों तक चेतावनी दी थी। इजरायल का तर्क था कि ये नावें एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र की ओर बढ़ रही हैं और एक वैध नाकेबंदी का उल्लंघन कर रही हैं।

कार्यकर्ताओं के आरोप

फ्लोटिला के कार्यकर्ताओं ने इजरायली सेना के हस्तक्षेप को एक 'युद्ध अपराध' बताया। आयोजकों ने एक बयान में कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में इजरायली कब्जा बलों ने कई नावों को अवैध रूप से रोका और उन पर सवार हो गए।'

नावों पर सवार लोगों ने टेलीग्राम पर क्लिप जारी कीं, जिनमें उन्होंने दावा किया कि उनका अपहरण कर लिया गया है और उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध इजरायल ले जाया जा रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इजरायली सेना ने कार्यकर्ताओं के खिलाफ पानी की बौछार जैसे आक्रामक तरीकों का इस्तेमाल किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि किसी को कोई गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा है।

ट्रम्प 4 हफ्ते में शी से मिलेंगे, अमेरिकी सोयाबीन किसानों का मुद्दा रहेगा टॉप एजेंडे पर

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह चार हफ़्तों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे और सोयाबीन का मुद्दा चर्चा के प्रमुख मुद्दों में से एक होगा। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा: 'हमारे देश के सोयाबीन किसानों को नुकसान हो रहा है क्योंकि चीन सिर्फ़ 'बातचीत' के लिए सोयाबीन नहीं खरीद रहा है। हमने टैरिफ़ से इतना पैसा कमाया है कि हम उस पैसे का एक छोटा सा हिस्सा लेकर अपने किसानों की मदद करेंगे। मैं अपने किसानों को कभी निराश नहीं होने दूँगा!'

पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर हमला करते हुए, ट्रंप ने कहा कि उनके पूर्ववर्ती उस व्यापार समझौते को लागू करने में विफल रहे जिसके तहत चीन को अरबों डॉलर मूल्य के अमेरिकी कृषि उत्पाद, जिनमें सोयाबीन भी शामिल है, खरीदने थे। उन्होंने आगे कहा, 'नींद में चूर जो बाइडेन ने चीन के साथ हमारे समझौते को लागू नहीं किया, जिसके तहत वे अरबों डॉलर के हमारे कृषि उत्पाद, खासकर सोयाबीन, खरीदने वाले थे। सब कुछ बहुत अच्छा होने वाला है। मुझे अपने देशभक्तों से प्यार है, और हर किसान बिल्कुल वैसा ही है! मैं चार हफ़्तों में

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलूँगा, और सोयाबीन चर्चा का एक प्रमुख विषय होगा। सोयाबीन और अन्य छोटी फ़सलों को फिर से महान बनाओ!'

एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में चल रहे व्यापार युद्ध, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और यूक्रेन व मध्य पूर्व में युद्धों को लेकर मतभेदों के कारण अमेरिका-चीन संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, शी जिनपिंग के साथ फ़ोन पर बातचीत के बाद, ट्रम्प ने कहा था कि वे 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक दक्षिण कोरिया में होने वाले APEC शिखर सम्मेलन में मिलेंगे और अगले साल की शुरुआत में चीन की यात्रा करेंगे।

एलन मस्क ने क्यों कहा, 'नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन कैंसिल करो'?

वांशिगटन। एलन मस्क ने अमेरिकी लोगों से नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन रद्द करने की अपील की है, जिसके बाद लोगों में सब्सक्रिप्शन रद्द करने की होड़ लग गई है। मस्क ने एक पोस्ट में सीधे तौर पर लिखा, 'नेटफ्लिक्स रद्द करें', जबकि एक अन्य पोस्ट में उन्होंने 'अपने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए नेटफ्लिक्स रद्द करें' लिखकर अपना विरोध जताया।

नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन रद्द करने की अपील क्यों कर रहे मस्क?

एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन रद्द करने की खुली अपील की है। उन्होंने और कई यूजर्स ने इसके पीछे दो मुख्य कारण बताए हैं: पहला, एक कर्मचारी की नियुक्ति जिसने दिवंगत रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या का कथित तौर पर 'जश्न' मनाया और दूसरा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर 'वेक एजेंडा' थोपने और 'गोरे लोगों के साथ भेदभाव' करने का आरोप।

चार्ली किर्क की हत्या का 'जश्न' मनाने वाले कर्मचारी का विवाद

यह विवाद नेटफ्लिक्स की एनिमेटेड सीरीज 'डेड एंड: पैरानॉर्मल पार्क' के निर्माता हैमिश स्टील से जुड़ा है। मस्क ने एक यूजर के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी जिसने कहा था कि उन्होंने अपना सब्सक्रिप्शन रद्द कर दिया है क्योंकि नेटफ्लिक्स ने एक ऐसे व्यक्ति को नौकरी पर रखा जिसने 'चार्ली किर्क की हत्या का जश्न मनाया।'

पिछले महीने, स्टील ने सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क (जिनकी हाल ही में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी) को निशाना बनाते हुए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया था और उन्हें 'नाजी' कहा गया था।

कई नेटिजन्स ने स्टील पर किर्क की मौत का मजाक उड़ाने और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया, जिससे सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया।

ऊर्जा विभाग के पूर्व परमाणु वैज्ञानिक मैट वैन स्वोल ने इस विवाद के बाद अपनी सदस्यता रद्द करने की घोषणा करते हुए लिखा, 'अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति को नौकरी पर रखते हैं जिसने चार्ली किर्क की हत्या का जश्न मनाया... तो आपको मेरे पैसे का एक पैसा भी नहीं मिलेगा।' मस्क ने इस पर 'वही' लिखकर अपना समर्थन जताया।

ब्रिटेन में दहशत, यहूदी Synagogue के बाहर हमले में 4 घायल, पुलिस ने संदिग्ध को मार गिराया

गुरुवार को उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड में एक उपासना स्थल के बाहर हुई एक हिंसक घटना में चार लोग घायल हो गए।

हमलावर ने पहले लोगों को एक वाहन से टक्कर मारी और फिर चाकू से वार किया। संदिग्ध को घटनास्थल पर पहुंचे सशस्त्र पुलिस अधिकारियों ने गोली मार दी।

ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने पुष्टि की कि हमलावर ने हीटन पार्क हिब्रू कॉन्ग्रिगेशन के पास श्रद्धालुओं को निशाना बनाया। हालांकि, वह आराधनालय के अंदर प्रवेश नहीं कर सका।

यह हमला स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 9:30 बजे हुआ। इस हमले का समय योम किप्पुर के पवित्र दिन के साथ मेल खाता है, जो यहूदी कैलेंडर का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन आराधनालयों में प्रार्थना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद होते हैं।

पुलिस को सुबह 9:31 बजे एक कॉल आया, जिसमें बताया गया था कि एक कार आम लोगों की ओर बढ़ाई जा रही है और एक व्यक्ति को चाकू मार दिया गया है।

सशस्त्र अधिकारी कुछ ही मिनटों में घटनास्थल पर पहुंच गए और सुबह 9:38 बजे संदिग्ध को गोली मारकर निष्क्रिय कर दिया। नॉर्थ वेस्ट एम्बुलेंस सर्विस ने इस घटना को 'बड़ी घटना' घोषित किया और घटनास्थल पर तुरंत कई टीमें भेजीं।

घायलों की स्थिति क्या?

वाहन से टक्कर मारने और चाकू मारने की इस घटना में कुल चार लोग घायल हुए हैं। घायलों की वर्तमान स्थिति के बारे में पुलिस द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस ने बताया कि आपातकालीन प्रतिक्रिया दल अभी भी इलाके में मौजूद हैं और जांच जारी है। अधिकारियों ने हमलावर की पहचान या हमले के पीछे के उद्देश्य के बारे में तत्काल कोई विवरण जारी नहीं किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)